बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) में एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 12 जून 2026 | दिन - शुक्रवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 135 | मूल्य - 5 रुपये

खरगे, खेड़ा, भाजपा के पूनिया, तरुण चुघ सहित 24 उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित

सिर्फ 5 सीटें गई कांग्रेस के खाते में..

नई दिल्ली, (भाषा)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख पवन खेड़ा के अलावा भाजपा नेता सतीश पूनिया और तरुण चुघ सहित 24 उम्मीदवार बृहस्पतिवार को राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। राज्यसभा की 27 सीटों में से 24 सीटों का फैसला निर्विरोध हो गया। इनमें 19 सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक

गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए, जबकि शेष पांच सीटें कांग्रेस के खाते में गईं। झारखंड की दो सीटों पर, जहां कड़ा मुकाबला होने की संभावना है, तथा मिजोरम की एक सीट पर चुनाव 18 जून को कराया जाएगा। दस राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के चुनाव तथा महाराष्ट्र, ओडिशा और तमिलनाडु की एक-एक सीट पर उपचुनाव के लिए नामांकन पत्रों की जांच बृहस्पतिवार को की गई। निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए सभी उम्मीदवारों को संबंधित निर्वाचन अधिकारियों ने जीत का प्रमाण-पत्र सौंप दिया। झारखंड से राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव कराया जाएगा, जहां तीन उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें झामुमो के बैद्यनाथ राम, कांग्रेस के प्रणव झा और निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी शामिल हैं। नाथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के निदेशक हैं और उन्हें भाजपा का समर्थन प्राप्त है।

झारखंड विधानसभा में 'इंडिया' गठबंधन के 56 विधायक हैं और जीत के लिए प्रत्येक उम्मीदवार को 28 प्रथम वरीयता मतों की आवश्यकता होगी। वहीं, भाजपा के पास 21 विधायक हैं। इसके अलावा नीतीश कुमार की पार्टी जद(यू), लोजपा (रामविलास) और ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन का एक-एक विधायक है। मिज़ोरम से एकमात्र राज्यसभा सीट के चुनाव के लिए, सत्तारूढ़ ज़ोरम पीपल्स मूवमेंट (जेपीएम) के प्रवक्ता के. लालतलुआंगकिमा और मुख्य विपक्षी पार्टी मिज़ो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) से ज़ोथानसांगी हमार चुनावी मैदान में हैं। मध्यप्रदेश में राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव में भाजपा के तीनों उम्मीदवारों तरुण चुघ, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को निर्वाचन अधिकारी ने निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे समेत चार उम्मीदवारों को कर्नाटक से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इनमें एक भाजपा उम्मीदवार है। खरगे के अलावा, अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों में कांग्रेस सचिव मंसूर अली खान, कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा और भाजपा के एम. नागराज शामिल हैं। राज्य से मौजूदा चार राज्यसभा सदस्यों इरन्ना कडाडी और नारायण कोरागाप्पा (दोनों भाजपा से), कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच.डी. देवेगौड़ा का कार्यकाल 25 जून को खत्म हो रहा है और इन रिक्त पदों को भरने के लिए चुनाव की घोषणा की गई थी। राज्यसभा चुनाव के इस दौर के साथ ही, संसद में देवेगौड़ा की पांच दशकों से ज़्यादा लंबी पारी खत्म हो जाएगी।

गुजरात और आंधप्रदेश से ये बने राज्यसभा सांसद..

गुजरात से चार सीट के लिए सत्तारूढ़ भाजपा के सभी चारों उम्मीदवारों को निर्वाचित घोषित कर दिया गया। इनमें राजूभाई शुक्ला, मानसिंह परमार, मुकेशभाई राठवा और जितेंद्र कंजारिया शामिल हैं। आंध्र प्रदेश से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चारों उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुन लिए गए। निर्वाचित उम्मीदवारों में तीन तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और एक जनसेना से है। निर्वाचन अधिकारी आर वनिता रानी ने बश्याम रामकृष्ण, लिंगमनेनी रमेश, सी. विजय और सना सतीश बाबू के उच्च सदन के लिए निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की। रामकृष्ण, विजय और बाबू तेदेपा से हैं, जबकि रमेश जनसेना से हैं। विजय, आंध्र प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सी. अय्यन्नापतरुदू के पुत्र हैं।

राजस्थान और मेघालय में यह रहा चुनावी परिणाम..

राजस्थान से भाजपा के दो और कांग्रेस के एक उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। निर्वाचन अधिकारी ने भाजपा के सतीश पूनिया और अलका गुर्जर तथा कांग्रेस के नीरज डांगी को संसद के उच्च सदन के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेम्स के संगमा मेघालय से राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए। मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के भाई जेम्स के संगमा को उच्च सदन के द्विवार्षिक चुनाव के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया, क्योंकि मुकाबले में कोई अन्य उम्मीदवार नहीं था। वानवेइरॉय खरलुखी का कार्यकाल पूरा होने के बाद राज्यसभा की सीट खाली हो गई थी। मणिपुर में, भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष अधिकारीमायुम शारदा देवी को राज्य से एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता ताई तागाक अरुणाचल प्रदेश से एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राजेंद्र जैन उपचुनाव में महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। ओडिशा में, भाजपा उम्मीदवार देवाशीष सामंतराय को राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। बीजू जनता दल (बीजद) छोड़ने और संसद के उच्च सदन के सदस्य के रूप में इस्तीफा देने के बाद 26 मई को भाजपा में शामिल हुए सामंतराय इस उपचुनाव में एकमात्र उम्मीदवार थे। तमिलनाडु से कांग्रेस उम्मीदवार प्रवीण चक्रवर्ती को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। अन्नाद्रमुक नेता सी षणमुगम ने अपना छह वर्षीय कार्यकाल 2028 में समाप्त होने से पहले ही सात मई को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वह वर्ष 2022 में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के समर्थन से चक्रवर्ती ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। नौ जून को अधिकारियों ने उनके नामांकन को वैध घोषित कर दिया, जबकि 12 निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद सिवनी
मो. 7898530101

जग प्रेरणा
जिला सिवनी
● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

ग्राम खामखरेली में तीन दिवसीय बड़ादेव पेनठाना स्थापना एवं कोयापुनेम कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न..

जगप्रेरणा सिवनी।
जिले के विकासखंड सिवनी के अंतर्गत ग्राम खामखरेली (बंडोल) में मूलनिवासी परंपरागत जन जागृति समिति सिवनी के तत्वाधान मे आयोजित तीन दिवसीय बड़ादेव पेनठाना स्थापना एवं कोयापुनेम कार्यक्रम श्रद्धा,आस्था,सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक गौरव के वातावरण में सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओं ,युवाओं, मातृशक्तियों एवं वरिष्ठजनों की सराहनीय उपस्थिति रही।

तीन दिनों तक चले इस आयोजन में बड़ादेव पेनठाना स्थापना ,पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक जागरूकता एवं कोयापुनेम दर्शन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की संस्कृति, परंपराओं एवं मूल्यों के संरक्षण के साथ साथ सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना रहा।

कार्यक्रम के अंतिम दिवस 750 महात्यागी धन्वंतरी दादा मानसिंह इनवाती जी साजवा दरबार का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में समाज को अपनी संस्कृति , परंपराओं और कोयापुनेम दर्शन के मूल्य सिद्धांतों को आत्मसात करने तथा आने वाली पीढ़ीयों तक पहुंचाने का संदेश दिया। उनके विचारों ने उपस्थित जन समुदाय को समाज हिट में संगठित होकर कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की। इसके पश्चात शाम 05 बजे से विशाल एवं भव्य भोज भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमे बड़ी संख्या क्षेत्रीय लोगों एवं सामाजिक बंधुओं ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया। भोज भंडारे के दौरान सामाजिक समरसता, भाईचारे और सहयोग की भावना का सुंदर उदाहरण देखने को मिला।

रात्रि 08 बजे से आयोजित संस्कृति संध्या कार्यक्रम में सिवनी जिले की मधुर आवाज के रूप में प्रसिद्ध गोंडी गीत गायक सुमन आंचलिक म्यूजिकल ग्रुप शानदार रंगारंग प्रस्तुति दी। गोंडी सांस्कृतिक, परंपराओं एवं लोक जीवन पर आधारित गीतों ने उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुति का भरपूर आनंद उठाते हुए तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम का संचालन भारत इनवाती द्वारा किया गया उनके प्रभावी एवं आकर्षक संचालन ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं गरिमामय स्वरूप प्रदान किया। समापन अवसर पर महेश मर्सकोले ने कार्यक्रम में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी अतिथियों, सामाजिक बंधुओं, कलाकारों, समिति सदस्यों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग एवं सहभागिता से कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं यादगार रहा। यह आयोजन न केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा ,बल्कि समाज में एकता , भाईचारे और पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण का सशक्त संदेश देने में सफल रहा।

इस अवसर पर मुख्यरूप से ईश्वरदयाल वरकड़े, उमाप्रसाद इरपाचे, कलीराम भलावी, कृष्ण कुमार धुर्वे बाबूलाल बट्टी पवन धुर्वे, गयाप्रसाद कुमरे, एच.एल. उइके, घनश्याम कुसमे, डॉ.मानक सिंह कुशराम, बबलेश ठाकुर, रतन वरकड़े, नीलेश मर्सकोले, सियाराम भलावी, दिनेश पुषाम, धर्मेंद्र इरपाचे, रवि परते, विपिन बछलिय, रामचरण यादव, आशाराम मर्सकोले, ओमप्रकाश मरावी, बिहारी जंघेला, थानसिंह उइके, बसंत उइके, अर्जुन भलावी, हरिकेश कुर्वेती, सुमत धुर्वे, आनंद कुर्वेती, राकेश वरकड़े, रज्जू धुर्वे, राजेंद्र कंगाली, सुदामा धुर्वे, शिवराम परते, लक्ष्मण पटेल, तामसिंह उइके, रामकिशोर मसराम, चमरा धुर्वे, रंजू उइके, योगेश उइके, नूरदयाल सैयाम, मानसिंह उइके एवं समस्त मातृ शक्ति पितृ शक्ति युवा साथियों की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

कांस्य पदक विजेता नौशीन का नगर आगमन पर हुआ सम्मान

जगप्रेरणा सिवनी।
जापान में आयोजित अंदर 18 महिला एशिया कप में भारतीय टीम ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर कांस्य पदक जीता।भारतीय टीम में सबसे कम उम्र की तेज़ तर्राट व कुशल सेंटर फारवर्ड सिवनी की शान उभरती हुई प्रतिभा नौशीन नाज ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर 17 गोल कर भारत का नाम रोशन किया है।

भारत ने मलेशिया को, सिंगापुर को 25 गोल से, कोरिया को, चीन को, हराया। नौशीन को दिल्ली में भी खेल मंत्री द्वारा बेस्ट स्कोरर का खिताब दिया गया था तथा जापान में भी बेस्ट स्कोर का खिताब दिया गया। नौशीन के जबलपुर पहुंचने पर श्रीमती मकसूदा मिर्जा पूर्व डिप्टी डायरेक्टर खेल और युवा कल्याण विभाग तथा जॉइंट सेक्रेटरी हॉकी मध्य प्रदेश, तथा उनके परिवार द्वारा रिसीव कर स्वागत किया गया। नौशीन के परिजनों में उनके पिता एहफाज खान, माता, भाई, बहनों तथा राइडर्स क्लब के जफर खान, राजू मामू, जहीर खान, मोहसिन खान, जादिल, परवेज, टिंकू ने जबलपुर पहुंचकर नौशीन का स्वागत किया। सिवनी आने पर लूघर वाड़ा में अजय बाबा पांडे, असद खान, फैसल खान, रशीद, साबिर, जावेद नूरानी, अमन साहिल, अयाज आदि ने नोशीन को रिसीव कर स्वागत किया और खुली जीप में लेकर रैली लेकर ज़ियारत नाका पहुंचे, जहां पर डी एल गौर, वसीम पटेल तथा खेल संघ के पदाधिकारी और खेल प्रेमी जनता ने नौशीन का स्वागत किया। ज़्यारत से रैली श्रीमती मकसूदा मिर्जा के घर के सामने पहुंची जहां पर श्रीमती मकसूदा मिर्जा ने नौशीन नाज़ का पुष्प हार व पुष्प वर्षा से स्वागत किया। रैली पाल पेट्रोल पंप, गणेश चौक, शुक्रवारी, नेहरू रोड, नगर पालिका, बस स्टैंड पाशा ट्रेवल्स होते हुए झिरिया में समाप्त हुई।

नौशीन का स्वागत यूनिक कलेक्शन, गणेश चौक पर अशोक नाविक, राजिक भाई, वाहिद भाई, डॉक्टर श्रीवास्तव आदि ने तथा नेहरू रोड पर बहुत से ज्वेलर्स व अंकित मालू आदि ने स्वागत किया। बस स्टैंड परिसर के सामने खेल और युवा कल्याण विभाग के अधिकारी कर्मचारी अब्दुल हक, संगीता, नारायण बिसेन, लक्ष्मी ठाकरे व खिलाड़ियों ने नौशीन का स्वागत किया।

बस स्टैंड पर रशीद, असद, फैसल ,इमरान गुड्डू किराना ,अयाज खान, फैयाज खान, शफीक गुम्मा तथा समस्त खेल प्रेमी और जनता नेनौशीन का स्वागत किया। पाशा ट्रेवल्स पर सोहेल पाशा द्वारा नौशीन का स्वागत पुष्प मालाओं से किया गया तथा झरिया के समस्त मोहल्ले वाली महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों द्वारा भी नौशीन का स्वागत किया गया। नौशीन ना की सफलता पर पूरे शहर की जनता, खेल प्रेमियों तथा पत्रकार बंधुओं ने पुरजोर स्वागत किया है तथा उसके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

पेट्रोल- डीजल की किल्लत से जूझ रहे क्षेत्रवासी

जगप्रेरणा उगली।
सिवनी जिले के अंतर्गत पुलिस थाना उगली क्षेत्र के पेट्रोल पंप संचालकों के यहां उपभोग कर्ता पेट्रोल डीजल की उपलब्धता के लिए ग्राहकों की लंबी-लंबी कतारें और पेट्रोल पंपों पर लगी भीड़ तस्वीरों में स्पष्ट देखी जा रही है।

वार क्राइसिस, होर्मुज स्ट्राइक जो लंबे समय से युद्ध की स्थिति बनी हुई है, जिसके आधार पर परिवहन के दृष्टिकोण से ईंधन मुख्य रूप से डीजल और पेट्रोल की उपलब्धता का समुचित ना मिल पाना इस संबंध में पेट्रोल पंप संचालकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनको ऊपर से ही डीजल पेट्रोल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिसकी वजह से पेट्रोल पंपों में लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही है, उगली क्षेत्र के अंतर्गत चार पेट्रोल पंप संचालित हैं,और बहुत बड़ी आबादी वाले क्षेत्र में अभी वर्तमान में खरीफ फसल को लेकर मानसून सत्र के पूर्व व्यापक मात्रा में खेती किसानी के कार्य प्रगतिशील है, दिन रात 24 घंटे किसान जो आधुनिकता के इस दौर में ट्रैक्टरों पर आश्रित ही की खेती कर रहे हैं,जिन्हें जुताई, बखरनी, बोनी के लिए पर्याप्त डीजल नहीं मिलने के कारण कृषि कार्य भी अवरूद्ध हो रहा है, बीते एक महीने में प्रत्येक पेट्रोल पंपों में सही तरह से फ्यूल की उपलब्धता न होने के कारण अल्टरनेट डे के आधार पर डीजल पेट्रोल दिया जा रहा है, पूर्ण रूप से गैलन और डब्बों में पेट्रोल डीजल नहीं दिया जा रहा है, केवल वाहनों में ही मिल रहा है, अपने वाहनों को ही ले जाकर उपयोग करता ईंधन की आपूर्ति कर रहे हैं, पां. छपारा के निकट गीता फ्यूल्स,ढुटेरा स्थित पेट्रोल पंप और मोहबर्रा में दो पेट्रोल पंप बिसेन पेट्रोलियम एवं गौरव पेट्रोलियम के द्वारा इस पूरे क्षेत्र में पेट्रोल डीजल की उपलब्धता कराई जाती है।जो भी हो इस तरह की स्थिति से एक कृषि कार्य पूर्ण रूप से प्रभावित हो रहा है खाद बीज के रेट भी अनाप-क्षण बढ़ रहे हैं दुकानदारों को भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो रहा है परिवहन की समस्या को लेकर पेट्रोल डीजल भी कहीं ऐसा ना हो को दोगुने दाम पर भी ना मिले। पेट्रोल पंप संचालक से इस विषय पर बात करने पर पता चला की आने वाले समय में इतनी समष्या नहीं रहेगी, ग्राहकों को समष्या अभी वर्तमान में ही हो रही है।

पंचायत राज संगठन हमारी पार्टी का बहुत ही महत्वपूर्ण एवं बुनियादी संगठन है - नरेश मरावी

राजीव गांधी पंचायतराज की बैठक सम्पन्न..

भाजपा के षड़यंत्र एवं कपट पूर्ण रवैया का विरोध जारी रहेंगा - मोहनसिंह चंदेल..

जगप्रेरणा सिवनी।
इंदिरा भवन जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी में राजीव गांधी पंचायतराज संगठन की जिला इकाई की बैठक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुई, बैठक की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष मोहन सिंह चंदेल ने की।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी ने कहा कि पंचायत राज संगठन हमारी पार्टी का बहुत ही महत्वपूर्ण एवं बुनियादी संगठन है। महात्मा गांधी की ग्राम स्वराज की कल्पना को मूर्तरूप देने हेतु कांग्रेस की सरकार ने तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में लागू किया गया था आज कांग्रेस पार्टी की मजबूती हेतु पंचायत राज के प्रतिनिधियों की महती आवश्यकता है।

मैं आप सभी से सहयोग की अपेक्षा करता हूँ। पार्टी के वरिष्ठ नेता हाजी मो. असलम खान ने इस अवसर पर कहा कि पंचायत राज संगठन अपने सर्वोद्य संकल्प शिविर के माध्यम से पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करता है। श्री खान ने कहा कि विगत वर्षो सें सिवनी में आयोजित शिविर मैंने स्वयं भी भाग लिया था जिसका अनुभव बहुत ही अच्छा रहा। इससे पूर्व बैठक को प्रारंभ करते हुए एवं बैठक की रूपरेखा के बारे में बताते हुए संगठन के अध्यक्ष मोहनसिंह चंदेल ने कहा कि हमारा संगठन तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी के निर्देशानुसार बनाया गया था इस संगठन का कार्य मुख्य रूप से पार्टी की विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ताओं को कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना है एवं पार्टी को मजबूती प्रदान करना है।

बैठक में राजीव गांधी पंचायत राज संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा का प्रत्याशी बनाए जाने पर राष्ट्रीय एवं प्रादेशित नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बैठक के दौरान ही मीनाक्षी नटराजन का फॉर्म निरस्त होने की जानकारी मिलने पर सदस्यो ने तीव्र आक्रोश व्यक्त किया एवं इसे लोकतंत्र के माथे पर एक धब्बा निरूपित किया एवं यह संकल्प व्यक्त किया गया कि भाजपा के निर्वाचन आयोग के माध्यम से किए गए लोकतंत्र विरोध इस षड़यंत्र के विरूद्ध जंग जारी रहेंगी।

बैठक में प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार आगामी समय में एक जिला स्तरीय सर्वोद्य संकल्प शिविर विकास खंड स्तर पर पंच सम्मेलन सह-प्रशिक्षण शिविर एवं नव युवको को जोड़ने हेतु एक युवा नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने एवं जिले के विभिन्न स्थानों पर मनरेगा मजदूरो से संवादक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक को जिला पदाधिकारी मुकेश राजपूत एवं उदय सिंह बघेल ने भी सम्बोधित किया।

बैठक में संगठन महासचिव हाजी मो. हनीफ अंसारी, विष्णु करोसिया, विनोद यादव, ध्रुवनारायण चौधरी, शिवदीप डेहरिया, हुकुम चंद सनोडिया, शंकरलाल डेहरिया, संतोष कुमार बघेल, सुरेन्द्र सिंह बघेल, श्रीमती आशा चंदेल, श्रीमती आशा भलावी, श्रीमती गीता सिंह ठाकुर, श्रीमती पवनरेखा रिनायत, नीलेश राय, शिवराम पाल, रामनारायण रघुवंशी, चूरामन कांवरे, श्यामसिंह माली उर्फ गुल्लू बाबा, दिलीप कर्वेती, महेश कुमार चन्द्रवंशी, यशपाल भलावी, विशराम सनोडिया, सुनील राठौर एवं कमलेश कुमार नागवंशी सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

बंडोल पुलिस की त्वरित कार्रवाई: सिंचाई मोटर चोरी का आरोपी गिरफ्तार, मोटर बरामद..

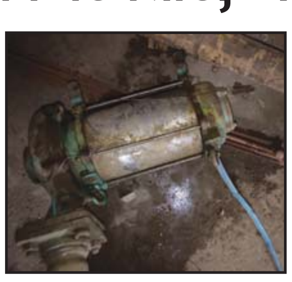

जगप्रेरणा सिवनी।
पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी सिवनी सचिन परते के मार्गदर्शन में थाना बंडोल द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। दिनांक 05.06.2026 को प्रार्थी मुरली पिता बेनीराम सनोडिया, उम्र 50 वर्ष, निवासी रनवेली ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके खेत के कुएँ में लगी सिंचाई मोटर अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई है। रिपोर्ट पर थाना बंडोल में अपराध क्रमांक 208/26, धारा 303(2) बी. एन. एस. पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान मुखबिर सूचना पर ग्राम रनवेली एवं आसपास क्षेत्र में पतासाजी की गई। इसी क्रम में आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने मोटर चोरी करना स्वीकार किया।

गिरफ्तार आरोपी..

धर्मेन्द्र उर्फ रिंकू पिता घूडो मालवी, उम्र 27 वर्ष, निवासी रनवेली हाल सिवनी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहाँ से उसे जिला जेल सिवनी भेजा गया। **जप्त मशरूका** – चोरी की गई 2 एच.पी. की पनडुब्बी सिंचाई मोटर, कीमत लगभग 8,500।

सराहनीय भूमिका..

उप.निरी. मनोज कुमार जंघेला, थाना प्रभारी बंडोल, सउनि. शिवेन्द्र वसूले, सउनि. राजेन्द्र नागवंशी, आर. संतोष डेहरिया।

सिवनी मे जगप्रेरणा समाचार पत्र के लिये संपर्क करे..
हसीब मोहम्मद
7898530101

जिले में आज 12 जून से शुरू होंगे जनकल्याण शिविर..

जिले के नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सरल एवं सुगम तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 12 जून से 18 जून 2026 तक विकासखंड एवं नगरीय निकाय स्तर पर तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना द्वारा जारी आदेश के अनुसार शिविरों का आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मध्य विशेष अभियान के रूप में किया जाएगा। जिले के सभी विकासखंडों में आयोजित होने वाले इन शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी तथा पात्र हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण किया जाएगा। साथ ही आमजन की समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए भी विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार घंसौर एवं लखनादौन में 12 से 14 जून, केवलारी में 13 से 15 जून, बरघाट में 14 से 16 जून, छपारा एवं धनौरा में 15 से 17 जून तथा कुरई एवं सिवनी में 16 से 18 जून तक जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे। सभी शिविर संबंधित जनपद पंचायत प्रांगण में संपन्न होंगे। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि शिविरों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए पात्र हितग्राहियों को अधिकतम लाभ प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा है कि शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है और जनकल्याण शिविर इस दिशा में महत्वपूर्ण माध्यम साबित होंगे। शिविरों के सफल संचालन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अनुविभाग स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित शिविरों में पहुंचकर शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त करें।

अलीनगर में फ्री मेडिकल चैक अप 14 जून को..

जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा।
समीपस्थ ग्राम अलीनगर जो भटेखारी का ही पोषक ग्राम है जिसमें श्री सत्य साई सेवा समिति के द्वारा यह मेडिकल केम्प लगाया जा रहा है। हाल ही में माननीय राष्ट्रपति महोदय की पहल पर जन जातीय महिलाओं की जागरूकता के लिएएक मुहिम चलाई जा रही है

इसका क्रियान्वयन श्री सत्य साई सेवा समिति के माध्यम से किया जा रहा है इस हेतु भारत के 500 ग्रामों को चुना गया है इसमें अलीनगर भी शामिल है सबसे पहले इस में सम्पर्क किया गया इस बसाहट में 85 प्रतिशत आदिवासी निवास करते हैं। मुख्य सड़क से लगभग 3 किलोमीटर दूर बसे इस पहुँच विहीन ग्राम में 389 लोग निवासरत है जिसमें 329 लोग जनजातीय समूह के है

12 जून को इनके घरों में व्यक्तिगत सम्पर्क किया जाएगा साथ ही 14 जून रविवार को प्राथमिक शाला अलीनगर में एक मेडिकल केम्प लगा कर लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी पंजीबद्ध की हालांकि यह योजना सिर्फ महिलाओं और छोटे बच्चों के लिए है फिर भी चैक अप सभी लोग शामिल होंगे।

श्री सत्य साई सेवा जिला संयोजक श्री आधार पटले एवं श्री हरिनखेडे सर ने बताया कि पूरे देश में चलाई जा रही। इस योजना में आगे क्या लाभ प्राप्त होगा इसकी जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा समय समय पर दी जाएगी। इस मेडिकल चैक अप में जिला चिकित्सालय सिवनी के डाक्टर उपलब्ध रहेंगे।

कोतवाली पुलिस की कार्रवाई: 220 ग्राम अवैध गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार, मोटरसाइकिल जप्त..

जगप्रेरणा सिवनी।
पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी सिवनी सचिन परते के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली द्वारा मादक पदार्थ तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

दिनांक 09.06.2026 को भ्रमण के दौरान छिंदवाड़ा चौक के पास मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सिवनी मठ मंदिर के पीछे पानी टंकी के पास एक व्यक्ति सफेद शर्ट व काले पेंट में नीले-काले रंग की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक **MP 22MF 7727** के साथ खड़ा होकर गांजा बेचने की फिराक में है। सूचना पर तत्काल टीम गठित कर बताए गए स्थान पर दबिश दी गई। मुखबिर के बताए हुलिए का व्यक्ति मोटरसाइकिल सहित मिला, जिसे घेराबंदी कर अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ पर उसने अपना नाम सुनील पिता भैया लाल ठाकुर, उम्र 43 वर्ष, निवासी ग्राम बाकी, थाना बंडोल, जिला सिवनी बताया। उसकी मोटरसाइकिल की डिक्की की तलाशी में काली पन्नी में कागज से लिपटा 220 ग्राम गांजे का पैकेट बरामद हुआ। उक्त अवैध मादक पदार्थ रखने व विक्रय करने के प्रयास पर आरोपी के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। **आरोपी**– सुनील पिता भैया लाल ठाकुर, उम्र 43 वर्ष, निवासी ग्राम बाकी, थाना बंडोल, जिला सिवनी। **जप्त मशरूका**– अवैध गांजा - 220 ग्राम, कीमत 3,000रू., स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक **MP 22MF 7727** , कीमत 40,000रू.।

सराहनीय भूमिका..

निरीक्षक सतीश तिवारी, एएसआई प्रमोद मालवीय, आरक्षक प्रदीप चौधरी, दिलीप उइके, अजेंद्र पाल।

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
★ टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

मनोज सचदेव

मो. 94258-22975

बालाघाट के भरवेली में माइनिंग इंजीनियरिंग छात्र का सुने घर में फंदे पर लटका मिला शव

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिला मुख्यालय से 6 कि.मी. की दूरी पर बैहर रोड पर स्थित भरेवली ग्राम के थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचारी मोहल्ला में एक 24 वर्षीय युवक शुभम पिता जगदीश टेकाम का फांसी पर लटका शव मिला है। मृतक बालाघाट में सरदार पटेल

विश्वविद्यालय का माइनिंग इंजीनियरिंग का छात्र था। युवक का फांसी लगा शव मिलने के बाद परिवार में मातम पसर गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार देर शाम शुभम अपने घर में अकेला था। उसके पिता मजदूरी के लिए बाहर गए हुए थे, जबकि मां और छोटा भाई मामा के गांव गए थे। जब परिजन घर लौटे तो घर के दोनों दरवाजे अंदर से बंद मिले। मां ने खिड़की से झांककर देखा तो शुभम फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। परिजनों ने तत्काल दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा और अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन घर से बाहर निकालते ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर भरवेली पुलिस मौके पर पहुंची। रात अधिक होने के कारण शव को घर पर ही रखा गया और गुरुवार को पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई ने कहा कि उसके भाई ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी परिवार को नहीं है। भरवेली थाना के एएसआई अनिल मड़ाम ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

युवक की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल का हुआ बालाघाट आगमन..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल का 11 जून को अपरान्ह 04 बजे गोटेगांव जिला नरसिंहपुर से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगे और रात्रि 08 बजे बालाघाट पहुंचेंगे। मंत्री श्री पटेल रात्रि 09 बजे बालाघाट से मलाजखंड के लिए प्रस्थान करेंगे और रात्रि विश्राम मलाजखंड में करेंगे। मंत्री श्री पटेल 12 जून को प्रातः 07 बजे मलाजखंड से बंजर नदी के उद्गम स्थल छत्तीसगढ राज्य के खैरागढ जिला स्थित बंजारपुर के लिए प्रस्थान करेंगे और प्रातः 08:30 बजे बंजारपुर पहुंचेंगे और नदी के उद्गम स्थल पर दर्शन पूजन करेंगे। मंत्री श्री पटेल प्रातः 09:15 बजे बंजारपुर से प्रस्थान करेंगे और दोपहर 12:45 बजे बालाघाट पहुंचेंगे और स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।

लोकपथ ऐप से सड़क संबंधी शिकायतें दर्ज करना हुआ आसान, नागरिकों से सहभागिता की अपील

जगप्रेरणा बालाघाट। सड़क अधोसंरचना को बेहतर बनाने तथा नागरिकों की सहभागिता से सड़क संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोकपथ (रुशद्म क्कड्डह्लद्ध) मोबाइल ऐप संचालित किया जा रहा है। इस ऐप के माध्यम से नागरिक सड़क पर गड्ढों, क्षतिग्रस्त मार्गों एवं सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं की शिकायत सीधे संबंधित विभाग तक पहुंचा सकते हैं। बालाघाट जिले के नागरिकों से लोकपथ ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की गई है। ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज करना बेहद सरल है। नागरिक सड़क की समस्या का फोटो अपलोड कर सकते हैं, जबकि शिकायत की लोकेशन स्वतः दर्ज हो जाती है। इससे संबंधित विभाग को समस्या के सटीक स्थान की जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाती है और निराकरण की प्रक्रिया में तेजी आती है। लोकपथ ऐप की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि शिकायतकर्ता अपनी शिकायत की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक कर सकता है। इसके अलावा ऐप में सड़क सुरक्षा से जुड़ी उपयोगी जानकारियां उपलब्ध हैं तथा आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए एसओएस (स्ह्रस्) सुविधा भी प्रदान की गई है।

कलेक्टर मृणाल मीना ने उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने गुरुवार को उद्यानिकी, पशु चिकित्सा सेवाएं, मत्स्योद्योग, सहकारिता एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में

विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने जिले में उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में फल, सब्जी एवं फूलों की खेती की व्यापक संभावनाएं हैं तथा इन पर आधारित प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले के एक किसान ने एक एकड़ क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई पद्धति से प्याज की खेती कर बेहतर परिणाम प्राप्त किए हैं। वहीं खैरलांजी क्षेत्र के एक किसान ने केले की खेती कर लगभग 250 क्विंटल उत्पादन का विक्रय किया है। पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने क्षीरधारा, हिरण्यगर्भा, डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना एवं डेयरी प्लस योजना के प्रभावी संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में दुधारू पशुओं की संख्या बढ़ाने तथा पशुपालकों को योजनाओं का अधिकाधिक लाभ दिलाने पर जोर दिया। साथ ही चलित पशु चिकित्सा इकाइयों की सेवाओं को और अधिक उपयोगी एवं प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए। मत्स्योद्योग विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले के सभी अमृत सरोवरों एवं अन्य योजनाओं के तहत निर्मित तालाबों को मत्स्य पालन के लिए मछुआ सहकारी समितियों को आबंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से अधिक संख्या में केज कल्चर स्थापित करने पर भी बल दिया। बैठक में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे किसानों, पशुपालकों एवं मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध कराएं, ताकि वे कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के विस्तार के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकें।

निरंतर प्रतिदिन आम जनता के बीच पहुंच रहे जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार..

अधिकारियों की मौजूदगी में मौके समस्याओ का कर रहे निराकरण..

अनेक मामलों में दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जनप्रतिनिधि का असली दायित्व कार्यालयों में बैठकर नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझकर उनका समाधान करना है। इसी कड़ी में उन्होंने आज भरवेली, आमेड़ा, बगदरा, कोसमी एवं हटा पंचायतों का व्यापक दौरा किया। उनके साथ विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिससे ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्याएं सीधे प्रशासन के सामने रखी गईं।

भरवेली पंचायत में ग्रामीणों ने आंगनवाड़ी केंद्र में शौचालय की कमी, सामुदायिक भवन की समस्याएं, शराब दुकान को आबादी क्षेत्र से हटाने, सुलभ शौचालय की बदहाल व्यवस्था, सीएफ भवन और दुकानों की नीलामी सहित अनेक जनहित के मुद्दे उठाए। ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष ने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और जल्द समाधान सुनिश्चित करने को कहा। अमेड़ा एवं कोसमी पंचायतों में भी ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। वहीं बगदरा पंचायत के युवाओं ने खेल मैदान निर्माण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर संसाधनों की मांग रखी। इस पर श्री सरसवार ने कहा कि गांवों की प्रतिभाओं को अवसर देना प्राथमिकता है और खेल एवं शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे।

दौरे के दौरान हटा पंचायत में नल-जल योजना की पोल खुलती नजर आई। ग्रामीणों ने बताया कि योजना होने के बावजूद पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने पीएचई विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल जांच कर समस्या का स्थायी समाधान करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं को अनदेखा करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और ग्रामीणों को अपने अधिकारों के लिए भटकना न पड़े। दौरे में तहसीलदार, जनपद सीईओ, आरईएस एसडीओ, सब इंजीनियर, पीएचई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी विभाग, आयुष विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव जुगल शर्मा, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष गुरु पटेल, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नवीन चौधरी, भरवेली ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल बनोटी, वरिष्ठ कांग्रेसी धर्मेंद्र धांडे, विकास हजारी, दीपक रंगने, वीरेंद्र बिसेन, मनीष कवाडे, इंद्रसेव कवाडे, निरीक्षण कवाडे, मकसूद खान, जी.एस. गरारे, जनपद सदस्य कुलदीप निकोसे, उपसरपंच राजेश बालेश्वर, सुमन मंदसौर, सचिन रामटेक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष का यह दौरा केवल औपचारिकता नहीं था, बल्कि समस्याओं को समझने और उनका समाधान कराने की एक गंभीर पहल थी। कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए गए, जिससे ग्रामीणों में उम्मीद जगी है कि उनकी लंबे समय से लंबित समस्याओं का जल्द निराकरण होगा।

जीपीएफ खातों की गुमशुदा कटौतियों के निराकरण के लिए 22 से 25 जून तक विशेष शिविर

जगप्रेरणा बालाघाट। शासकीय सेवकों के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) खातों में दर्ज गुमशुदा कटौतियों एवं अप्रविष्ट मदों के त्वरित निराकरण के लिए जिला स्तर पर विशेष जीपीएफशिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कार्यालय, मध्य प्रदेश, ग्वालियर के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री अमित कुमार मरावी ने बताया कि शिविर का आयोजन 22 जून 2026 से 25 जून 2026 तक कलेक्ट्रेट भवन बालाघाट के प्रथम तल स्थित सभाकक्ष के कक्ष क्रमांक 205 में किया जाएगा। शिविर के लिए सहायक कोषालय अधिकारी श्री यशवंत मसकरे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शिविर में महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर से वरिष्ठ लेखा अधिकारी श्री अवधेश पाण्डेय, सहायक लेखा अधिकारी श्री बाबूलाल मीणा, श्री सुमित कुमार एवं श्री मुकेश सैनी उपस्थित रहकर जीपीएफखातों से संबंधित समस्याओं का निराकरण करेंगे। जिला कोषालय बालाघाट, सिवनी एवं मंडला के अंतर्गत आने वाले सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) तथा कर्मचारियों से शिविर की जानकारी व्यापक रूप से साझा करने का आग्रह किया गया है। जिन कर्मचारियों के जीपीएफखातों में कटौतियां मिसिंग हैं अथवा अप्रविष्ट मदों की समस्या है, उन्हें संबंधित डीडीओ कार्यालय के लिपिक के साथ शिविर में उपस्थित होकर अपनी शिकायतों का निराकरण कराना होगा। शिविर में आने वाले कर्मचारियों को सामान्य भविष्य निधि कटौती पत्रक (जीपीएफडिडक्शन शेड्यूल), संबंधित महीनों के वेतन देयक, चालान की प्रति तथा कैशबुक एवं बिल रजिस्टर की प्रमाणित प्रतियां साथ लाना अनिवार्य होगा। महालेखाकार कार्यालय द्वारा गुमशुदा कटौतियों, निष्क्रिय खातों एवं अप्रविष्ट मदों की चेकलिस्ट भी उपलब्ध कराई जा रही है।

बालाघाट में बार संघ अध्यक्ष द्वारा वसूली किये जाने की स्टाम्प वेंडरों ने की पुलिस में शिकायत..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला न्यायालय परिसर के समीप गुरुवार को अधिवक्ताओं और स्टाम्प वेंडरों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। स्टाम्प वेंडरों ने बार संघ अध्यक्ष प्रवेश मलेवार पर वसूली और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाते हुए कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है, वहीं बार संघ अध्यक्ष ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए स्टाम्प वेंडरों पर नियमों के विरुद्ध कार्य करने का आरोप लगाया है।

स्टाम्प वेंडर संघ के कोषाध्यक्ष दिनेश बोहरे ने बताया कि कचहरी से सटे बस स्टैंड परिसर में कार्यरत स्टाम्प वेंडरों के साथ बार संघ अध्यक्ष प्रवेश मलेवार ने कथित रूप से अभद्रता की। उन्होंने आरोप लगाया कि अध्यक्ष द्वारा वेंडरों से लाइसेंस मांगा गया और प्रत्येक वेंडर से 600 रुपये की मांग की गई। बोहरे का दावा है कि कुछ वेंडरों ने दबाव में आकर राशि भी दी है। साथ ही मलेवार पर बिजली कनेक्शन कटवाने का आरोप भी लगाया गया है। वेंडरों का कहना है कि इससे पहले भी उनके कार्यों में हस्तक्षेप किया जाता रहा है। मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर सभी वेंडरों ने कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत सौंपकर जांच की मांग की है। इधर, बार संघ अध्यक्ष प्रवेश मलेवार ने लगाए गए सभी आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि नामांतरण और धारा 18/4 से संबंधित दस्तावेजों में अधिवक्ता की भूमिका आवश्यक होती है, लेकिन कुछ स्टाम्प वेंडर बिना अधिवक्ता के ही आवेदन तैयार कर तहसील न्यायालय में प्रस्तुत कर रहे हैं। मलेवार के अनुसार, नियमों के तहत 18/4 के दस्तावेजों के साथ अधिवक्ता का वकालतनामा संलग्न होना अनिवार्य है। इसके बावजूद स्टाम्प वेंडरों द्वारा सीधे आवेदन लगाए जा रहे हैं, जो विधिसम्मत नहीं है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर पूर्व में भी वेंडरों के साथ चर्चा की जा चुकी है, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। फिलहाल दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच मामला पुलिस तक पहुंच गया है। कोतवाली पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

अजय रजक गढ़ी
मो. 84353 19391

बैहर - परसवाड़ा सड़क पर शुरू हुआ काम, लेकिन रफ्तार सुस्त; बारिश से पहले पूरा होगा निर्माण या फिर बढ़ेगा इंतजार?

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

करीब 30 किलोमीटर लंबे जर्जर बैहर-परसवाड़ा राज्यमार्ग-48 के निर्माण कार्य की आखिरकार शुरुआत हो गई है। लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग और

प्रशासनिक प्रयासों के बाद सड़क पर निर्माण गतिविधियां दिखाई देने लगी हैं। हालांकि निर्माण कार्य शुरू होने के बावजूद इसकी धीमी रफ्तार अब लोगों की चिंता बढ़ाने लगी है। बारिश सिर पर है और जून माह के केवल कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या निर्माण एजेंसी बारिश से पहले सड़क का काम पूरा कर पाएगी या फिर एक बार फिर राहगीरों को चार माह तक बदहाल सड़क पर सफर करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार सड़क निर्माण का कार्य निर्माण एजेंसी उदित इंफ्रास्ट्रक्चर को सौंपा गया है। एजेंसी द्वारा बैहर से परसवाड़ा तक सड़क सुधार और निर्माण का कार्य किया जा रहा है। परसवाड़ा एसडीएम शिरीष प्यासी ने निर्माण कार्य की प्रगति को लेकर एजेंसी के जिम्मेदारों से चर्चा की, जिसमें निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्राप्त की गई।

हर्रा नाला तक चल रहा पीचिंग और पैचवर्क का कार्य..

निर्माण एजेंसी के ठेकेदार ने एसडीएम को बताया कि वर्तमान में बैहर से हर्रा नाला तक सड़क के गड्ढों में पीचिंग (क्ह्लष्द्धद्बठ्ठद्द) और पैचवर्क का कार्य किया जा रहा है। साथ ही सड़क की सफाई भी की जा रही है, ताकि आगामी चरण में डामर की नई परत बिछाई जा सके।

ठेकेदार के अनुसार लगभग 3 किलोमीटर सड़क को पूरी तरह उखाड़कर नए सिरे से बनाया जाएगा, जबकि करीब 8 किलोमीटर हिस्से में डीबीएम (ष्ठद्गठ्ठह्यद्ग ब्ह्वद्बह्लद्व-ठ्ठश्वह्द्य रूड्डष्डस्त्रड्ड) का कार्य किया जाएगा। इसके बाद सड़क पर डामर की नई लेयर चढ़ाई जाएगी, जिससे मार्ग की गुणवत्ता और मजबूती बेहतर हो सके।

26 करोड़ की सड़क में भी गुणवत्ता पर उठने लगे सवाल..

निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही राहगीरों ने गुणवत्ता को लेकर चिंता जतानी शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि 26 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली सड़क में भी कई स्थानों पर गड्ढे भरने के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। उनका आरोप है कि एजेंसी द्वारा पीचिंग का कार्य तकनीकी मानकों के अनुरूप और पर्याप्त गुणवत्ता के साथ नहीं किया जा रहा है।

राहगीरों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता किया गया तो कुछ ही समय बाद यह मार्ग फिर से बदहाल हो जाएगा और जनता को दोबारा उन्हीं समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, जिनसे वे वर्षों से जूझ रहे हैं। लोगों ने मांग की है कि सड़क निर्माण के प्रत्येक चरण की तकनीकी जांच कराई जाए और कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए।

पिछले अनुभवों से टूटा जनता का भरोसा..

क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क निर्माण और मरम्मत को लेकर पहले भी कई बार बड़े दावे किए गए, लेकिन परिणाम संतोषजनक नहीं रहे। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब तीन वर्ष पहले इस मार्ग पर निर्माण कार्य कराया गया था, लेकिन सड़क एक वर्ष के भीतर ही कई स्थानों पर उखड़ने लगी थी। वहीं करीब पांच वर्ष पहले भी मरम्मत कार्य किया गया था, जिसे लोगों ने खानापूर्ति बताया था।

इसी कारण अब जनता केवल घोषणाओं पर भरोसा करने को तैयार नहीं है। लोगों का कहना है कि इस बार यदि गुणवत्ता से समझौता हुआ तो करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद सड़क की स्थिति फिर खराब हो जाएगी और जनता का भरोसा पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश, दुर्घटना पर तय होगी जिम्मेदारी

सड़क की खराब स्थिति और संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए जिला कलेक्टर मृणाल मीणा पहले ही मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) के अधिकारियों को सख्त निर्देश दे चुके हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा है कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण यदि कोई दुर्घटना होती है तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के इस सख्त रुख के बावजूद सड़क निर्माण की धीमी गति लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि अब निर्देशों के साथ-साथ जमीनी स्तर पर परिणाम भी दिखाई देने चाहिए।

एसडीएम ने जताई नाराजगी, कलेक्टर को दी जानकारी..

परसवाड़ा एसडीएम शिरीष प्यासी ने बताया कि उनके द्वारा सड़क निर्माण कार्य की लगातार निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी द्वारा बरती जा रही लेटलतीफी की जानकारी जिला कलेक्टर को भी दे दी गई है। एसडीएम ने बताया कि सड़क निर्माण की धीमी गति को लेकर बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता को भी अवगत कराया गया है। उन्होंने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) के अधिकारियों से चर्चा कर कार्य में तेजी लाने की बात कही है।

राहगीरों ने की सतत निगरानी की मांग

क्षेत्रवासियों और नियमित रूप से आवागमन करने वाले राहगीरों ने प्रशासन, एमपीआरडीसी और जिला अधिकारियों से सड़क निर्माण कार्य की सतत निगरानी करने की मांग की है। उनका कहना है कि केवल निर्माण कार्य शुरू होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कार्य निर्धारित गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप हो।

लोगों का कहना है कि यदि अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया गया तो निर्माण एजेंसी पर जवाबदेही बनी रहेगी और सड़क लंबे समय तक टिकाऊ साबित होगी।

अब सबकी नजर अगले 20 दिनों पर..

बारिश का मौसम नजदीक है और जून माह के लगभग 20 दिन ही शेष हैं। ऐसे में अब लोगों की निगाहें निर्माण एजेंसी और विभागीय अधिकारियों पर टिकी हैं। सड़क पर काम शुरू होना राहत की खबर जरूर है, लेकिन निर्माण की धीमी गति और गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों ने नई चिंता खड़ी कर दी है। अब देखने वाली बात होगी कि एजेंसी बारिश से पहले बैहरङ्कपरसवाड़ा मार्ग को गड्ढामुक्त और सुगम बना पाती है या फिर मानसून का हवाला देकर निर्माण कार्य अगले चार महीनों के लिए टाल दिया जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो हजारों राहगीरों को एक और बारिश इसी जर्जर मार्ग पर जोखिम उठाकर गुजारनी पड़ेगी। साथ ही यदि निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया, तो करोड़ों रुपए खर्च होने के बाद भी सड़क की समस्या जस की तस बनी रह सकती है।

कम्युनिटी यूथ लीडर के नेतृत्व में दस दिवसीय समर कैंप हुआ सम्पन्न..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

जनजातीय कार्य विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन अंतर्गत सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के माध्यम से कम्युनिटी यूथ लीडर

प्रेमलता वरकड़े के द्वारा ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर सुधीर अग्रवाल के सहयोग से ग्राम पंचायत मोहगांव में 10 दिवसीय समर कैंप दिनांक 2 जून से 11 जून तक आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम मोहगांव, ब्लॉक परसवाड़ा के छात्रों (बच्चों) ने 10 दिनों तक बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

जिसमें स्कूली बच्चों ने प्रत्येक दिन अलग-अलग गतिविधियों का आनंद लिया जिसमें मुख्य रूप से बच्चों ने प्रथम दिन स्वागत, परिचय, कहानियां, कविता, प्रेरणादायक महिलाओं की जीवनगाथा जिन्हें सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान दिया गया है,कागज से वस्तुओं का निर्माण करना, पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपण,चित्रकला, जल संरक्षण आदि के विषय में सीखा ,खेल - खेल के माध्यम से शिक्षा, आदि चीजों में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। जिसमें समस्त स्कूली बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित रही। 10 दिनों तक पूरे जोश और उल्लास के साथ समर कैंप का संचालन किया गया। बच्चों ने चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर और बाल संरक्षण के बारे में सीखा, मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत सरपंच श्री मती मीना मर्सकोले, जनशिक्षक खेमराज ठाकरे, माध्यमिक शिक्षक हेडमास्टर रमेश टेंभरे, प्राथमिक शिक्षक सावित्री दमाहे मेडम, ग्रामीण जन, बच्चों के माता पिता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतिम दिवस छात्रों के द्वारा बनायी गयी सामग्रियों की प्रदर्शनी का अवलोकन अतिथियों के द्वारा किया गया। समर कैम्प में भाग लेने बाले छात्रों ने दस दिनों के अपने अनुभव साझा किए तथा सभी छात्रों को अतिथियों के द्वारा पुरस्कार का वितरण किया गया एवं ग्रुप फोटो के साथ दस दिवसीय समर कैंप का समापन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी ग्राम वासियों का विशेष सहयोग रहा उन्हीं के सहयोग व मार्गदर्शन से समर कैंप का आयोजन व समापन किया गया।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित..

जगप्रेरणा बालाघाट।

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन एवं आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पुरस्कार उन बच्चों को दिया जाता है जिन्होंने कला एवं संस्कृति, बहादुरी, नवाचार,

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा तथा खेल के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हों। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि नामांकन के लिए बालक अथवा बालिका का भारत का नागरिक एवं भारत का निवासी होना आवश्यक है। 31 जुलाई 2026 को बच्चे की आयु 5 वर्ष से अधिक तथा 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। साथ ही जिस उपलब्धि, कार्य अथवा साहसिक घटना के आधार पर आवेदन किया जा रहा है, वह नामांकन की अंतिम तिथि से पूर्व के दो वर्षों के भीतर की गई हो।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए किसी भी पात्र बच्चे का नामांकन कोई भी व्यक्ति या संस्था कर सकती है। बच्चे स्वयं भी अपना नामांकन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इसके अलावा केंद्रीय एवं राज्य स्तर के जनप्रतिनिधि, मंत्रालय, विभाग, जिला प्रशासन, शैक्षणिक संस्थान तथा विद्यालय भी नामांकन की अनुशंसा कर सकते हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया ने जिले के विभाग प्रमुखों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों से ऐसे बच्चों का नामांकन कराने की अपील की है, जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायक कार्य किया हो। पात्र बच्चे अपना आवेदन भारत सरकार के पोर्टल ड्ड2ड्डह्स्नह्य.द्दश1.द्बठ्ठ के माध्यम से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। आवेदन एवं नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बालाघाट कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

जनकल्याण शिविर में किसानों को दी गई आधुनिक कृषि तकनीकों एवं योजनाओं की जानकारी..

खेत बचाओ अभियान के तहत संतुलित उर्वरक उपयोग, डीएसआर पद्धति एवं नरवाई प्रबंधन पर दिया गया प्रशिक्षण

जगप्रेरणा बालाघाट।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा कृषि आदानों की उपलब्धता संबंधी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से 10 जून 2026 को ग्राम पंचायत डोंगरमाली में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में बड़ी संख्या में किसानों एवं ग्रामीणों ने सहभागिता कर विभागीय योजनाओं और नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता हनवत उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच श्री मनोज लिल्हारे ने की। शिविर में पंचायत समन्वयक श्री महेश कुंभारे, उद्यानिकी विभाग से श्री सोमेश्वर, कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती रमुला डोहरे, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी सुश्री राहंगडाले सहित 14 ग्राम पंचायतों के सचिव, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

शिविर में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) पद्धति के लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि डीएसआर पद्धति अपनाने से श्रम एवं लागत में कमी आती है, पानी की बचत होती है तथा फसल उत्पादन में वृद्धि की संभावना रहती है। साथ ही हरी खाद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को ढैंचा बीज के उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने बताया कि हरी खाद के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है।

शिविर में किसानों को ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से खाद वितरण व्यवस्था की जानकारी दी गई तथा उन्हें समय पर खाद प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई गई। इसके अलावा कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि इस योजना के माध्यम से किसान कृषि संबंधी अधोसंरचना विकसित करने के लिए वित्तीय सहायता एवं ऋण सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विभाग द्वारा कार्यालय में उपलब्ध बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों के संबंध में भी किसानों को अवगत कराया गया तथा उनके व्यापक उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

शिविर के उपरांत जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता हनवत द्वारा स्थानीय सहकारी समिति (सोसाइटी) का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से किसानों को किए जा रहे खाद वितरण की व्यवस्था का अवलोकन किया तथा बीज भंडारण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा व्यवस्थाओं की सराहना की। इसी क्रम में ग्राम मेहदुली में ÷खेत बचाओ अभियान÷ के अंतर्गत किसानों को जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से संतुलित उर्वरक उपयोग, डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई तथा नरवाई प्रबंधन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को बताया कि संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने से भूमि की उत्पादकता बनी रहती है और फसल की गुणवत्ता में सुधार होता है। साथ ही नरवाई नहीं जलाने तथा उसके वैज्ञानिक प्रबंधन के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने कृषि विभाग द्वारा दी गई जानकारी को उपयोगी बताते हुए आधुनिक तकनीकों को अपनाने और शासन की योजनाओं का लाभ लेने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। विभागीय अधिकारियों ने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में योजनाओं से जुड़कर कृषि को लाभकारी बनाने का आह्वान किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में होगा सामूहिक योग कार्यक्रम

जगप्रेरणा बालाघाट।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कुलसचिवों, प्राचार्यों एवं संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं।

निर्देशों के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को योग के अनुरूप आरामदायक वेशभूषा धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों को योग दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, 21 जून को आयोजित गतिविधियों की एकत्रित प्रतिवेदन रिपोर्ट 24 जून 2026 तक उच्च शिक्षा विभाग को भेजने के लिए कहा गया है। उच्च शिक्षा विभाग का उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

जग प्रेरणा

वारासिवनी कटंगी

● कायदी ● डोंगरमाली ● रामपायली ● खैरलांजी ● तिरोड़ी ● बोनकट्टा ● महकेपार

शुक्रवार 12 जून 2026

दैनिक जग प्रेरणा
में समाचार
एवं विज्ञापन प्रकाशन
हेतु संपर्क करें..
पिंटू गुप्ता तिरोड़ी
मो. 8770664297

ग्राम झंझागी में बुद्ध विहार का लोकार्पण

तथागत सम्यक सम्बुद्ध व परम् पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम होगा सम्पन्न..

कार्यक्रम के उद्घाटक पूज्य भदंत धम्म तप कार्यक्रम अध्यक्षता अधिवक्ता संजय खोबरागड़े जिला अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट व मुख्य अतिथि संजय बोरकर अन्य अतिथियो के हस्ते होगा लोकार्पण एवम अनावरण

एक शाम बाबा साहब के नाम, एक शाम संविधान के नामहोगी कव्वाली सुप्रसिद्ध कव्वाला राखी ताज देगी प्रस्तुति

जगप्रेरणा बालाघाट।

तहसील मुख्यालय कटंगी से 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत झंझागी में 13 जून 2026 को जीवन वाती मां सार्वजनिक बुद्ध विहार समिति झंझागी के तत्वाधान में परम पूज्य डॉक्टर बाबा साहब अंबेडकर के द्वारा स्थापित समता सैनिक दल के 100 वें वर्षगांठ के अवसर पर बुद्ध विहार का

लोकार्पण एवं सम्यक समबुद्ध व परम् पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण व भिक्षु निवास का उद्घाटन कार्यक्रम अध्यक्षता एडवोकेट डॉक्टर संजय खोबरागड़े (जिला अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट) कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय बोरकर (बामसेफ) दिल्ली, विशेष अतिथि दलित मेश्राम (अध्यक्ष तहसील बौद्ध संघ तिरोड़ी), कपिल मेश्राम (सभापति नगर परिषद कटंगी), महेंद्र हिरकने (तहसील अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ तहसील शाखा कटंगी), संजय शेन्डे (अध्यक्ष डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह कटंगी), भोजराज वासनिक, (सामाजिक धार्मिक कार्यकर्ता) डी डी गजभिए (नगर अध्यक्ष जिला बौद्ध संघ कटंगी), रामचंद्र मेश्राम, (सामाजिक धार्मिक कार्यकर्ता) प्रदीप ऊके (पूर्व जिला अध्यक्ष समता सैनिक दल बालाघाट) भीम प्रकाश बोरकर (जनपद सदस्य) यशवंत गणवीर (सचिव परम् पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह कटंगी) चन्द्रप्रभा युवराज वाघाडे (सरपंच ग्राम पंचायत झंझागी) विशेष आतिथ्य में संपन्न होगा।

बालाघाट जिले के इतिहास में ये इबारत स्वर्ग अक्षरो से लिखी जावेगी ग्राम के निवासी डॉ. बी एल चौहान (सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता) के द्वारा सेवानिवृत्त होने के उपरांत प्राप्त राशि से भव्य बुद्ध विहार का निर्माण करवाया व तथागत सम्यक संबुद्ध व परम् पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा क्रय कर स्थापित किया है। ज्ञात हो कि आरक्षण से जिले में अनेको अधिकारी व कर्मचारी बने किन्तु 20 लाख रुपये की राशि व्यय कर किसे ने भी निर्माण नहीं किया है।

कार्यक्रम 3 बजे से 5 बजे विशाल धम्म रैली गांव का भ्रमण करेगी। शाम 5 से 6 बजे नवनिर्मित बुद्ध विहार का लोकार्पण तथा तथागत सम्यक संबुद्ध व परम् पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा व भिक्षु निवास का होगा।उद्घाटन 6 बजे से 8 बजे तक मंचीय उद्बोधन रात्रि 10 बजे राखी ताज की होगी। कव्वाली समिति के अध्यक्ष महेंद्र मेंश्राम, उपाध्यक्ष सुरेंद्र गजभिए, प्रकाश चौहान, सचिव निर्दोष नागदेवे, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार चौहान, प्रचार मंत्री रामदास गजभिए, साधुराम भालाधरे, योगराज मेश्राम, हर्षल गजभिए, अंकित मेश्राम सहित अनेकों सामाजिक धार्मिक बंधुओं ने आव्हान किया कि अधिक से अधिक तादाद में शरीक होकर कार्यक्रम को सफ्ल बनाएं।

जनकल्याण शिविर में सुनी गई ग्रामीणों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश..

जगप्रेरणा कटंगी।

शासन द्वारा संचालित विशेष अभियान के अंतर्गत गुरुवार 11 जून को तिरोड़ी तहसील के ग्राम नांदी में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं को उनके गांव में ही सुनकर उनका

त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना था। शिविर में कुल 46 आवेदन प्राप्ती हुए थे। शिविर में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कटंगी श्री के.सी. ठाकुर, तहसीलदार श्री शांडिल्य एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गायत्री कुमार सारथी ने उपस्थित ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना।

अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का परीक्षण करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय-सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर के दौरान ग्रामीणों द्वारा राजस्व, पेयजल, बिजली, सड़क, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन, आवास, कृषि एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी गई। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों को प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। शिविर में फौती नामांतरण के एक आवेदन का मौके पर ही निराकरण किया गया और पटवारी द्वारा फार्मर रजिस्ट्री के साथ किसानों को ई-टोकन से उर्वरक प्राप्तर करने के लिए बकेटिंग की गई।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने-अपने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को प्रदान की।

शिविर में पात्र हितग्राहियों के आवेदन भी प्राप्त किए गए तथा उन्हें योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से शासन की जनहितकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से सीधे संपर्क बनाए रखने की अपील की। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और उन्होंने प्रशासन द्वारा गांव स्तर पर आयोजित इस पहल की सराहना की।

जनकल्याण शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश..

शिविर में 75 आवेदन प्राप्त हुए..

जगप्रेरणा बैहर।

आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 11 जून को नगर पालिका परिषद मलाजखंड द्वारा जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने

भाग लेकर अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। शिविर में बैहर के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री अर्पित गुप्ता, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री दिनेश बाघमारे तथा नगर पालिका के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। शिविर के दौरान नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से आए नागरिकों द्वारा पेयजल, स्वच्छता, सड़क, नाली निर्माण, स्ट्रीट लाइट, राजस्व, आवास, पेंशन तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। शिविर में कुल लगभग 75 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका पंजीयन कर संबंधित विभागों को निराकरण हेतु भेजा गया।

एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता ने प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए नगर पालिका अमले को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों एवं आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनकल्याण शिविरों का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान करना है, इसलिए किसी भी पात्र व्यक्ति को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री दिनेश बाघमारे ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई की जाएगी तथा जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव है, उन्हें प्राथमिकता से हल किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से नगर विकास एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सहयोग करने की अपील भी की। शिविर के माध्यम से नागरिकों को शासन की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने प्रशासन द्वारा उनके बीच पहुंचकर समस्याएं सुनने और समाधान की पहल की सराहना की।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण के लिए 6, 7 और 8 जुलाई को होगा प्रशिक्षण..

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनेंगे सभी विवि एवं महाविद्यालय के कर्मचारी

जगप्रेरणा बालाघाट।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 जुलाई 2025 के महत्वपूर्ण निर्णय के पैरा 35 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों, शैक्षणिक सहायकों, अधिकारियों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

6, 7 एवं 8 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाले इस प्रदेशव्यापी प्रशिक्षण अभियान का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रत्येक कर्मचारी को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है, जिससे किसी भी विद्यार्थी में मानसिक तनाव, अवसाद अथवा अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याओं के प्रारंभिक संकेतों की समय रहते पहचान कर उसे उचित परामर्श, सहायता एवं विशेषज्ञ उपचार की दिशा में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके। इन प्रशिक्षणों के माध्यधम से उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए अधिक संवेदनशील, सहयोगी एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए यह ऑनलाइन प्रशिक्षण 6 जुलाई 2026 को किया जाएगा, जबकि निजी महाविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए 7 जुलाई 2026 को प्रशिक्षण होगा। इसके अतिरिक्त 8 जुलाई 2026 को विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए भी इसी प्रकार का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिससे उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति संवेदनशीलता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों, उनकी पहचान, आवश्यक सहयोग तथा संस्थागत स्तर पर अपनाए जाने वाले उपायों की जानकारी दी जाएगी। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि सभी प्रतिभागियों को महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय परिसर में एकत्रित कर एमएस-टीम्स के माध्यम से प्रशिक्षण से जोड़ा जाए। प्रशिक्षण सत्र की फोटो एवं वीडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

उच्च शिक्षा विभाग का मानना है कि इस पहल से प्राध्यापकों और कर्मचारियों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ेगी तथा आवश्यकता पडने़ पर वे विद्यार्थियों को समय पर उचित मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध करा सकेंगे।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे.. मो. 9329033433

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत मथुरा-वृंदावन तीर्थ यात्रा का अवसर..

11 जुलाई आवेदन की अंतिम तिथि

25 जुलाई को बालाघाट से मथुरा-वृंदावन के लिए रवाना होगी विशेष ट्रेन

जिले के 191 तीर्थ यात्री जाएंगे मथुरा-वृंदावन

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ नागरिक जिनमें 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के व्यक्ति शामिल हो (महिलाओ को 02 वर्ष की छूट) तथा जो आयकर दाता नही हो को प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न तीर्थ स्थानों में से एक या युग्म तीर्थों की यात्रा सुलभ कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत आगामी 25 जुलाई को बालाघाट से मथुरा-वृंदावन तीर्थ यात्रा के लिए विशेष ट्रेन रवाना होगी। इसमें बालाघाट जिले के 191 तीर्थ यात्री शामिल होंगे।

भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा-वृंदावन तीर्थ दर्शन यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए है। आवेदन पत्र आगामी 11 मई से तहसील कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय एवं नगर पालिका कार्यालय में प्राप्त किये जाएंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई 2026 निर्धारित है। बालाघाट रेलवे स्टेशन से 25 जुलाई को विशेष ट्रेन मथुरा-वृंदावन तीर्थ यात्रा के लिए रवाना होगी। इस ट्रेन में मण्डला जिले के 196, जबलपुर जिले के 196 एवं कटनी जिले के 196 तीर्थ यात्री शामिल होंगे। मण्डला जिले के तीर्थ यात्री नैनपुर से इस ट्रेन में सवार होंगे। यह ट्रेन मथुरा-वृंदावन तीर्थ यात्रा के बाद 28 जुलाई को वापस बालाघाट पहुँचेगी।

तीर्थ यात्रा के दौरान यात्रियों को ठहरने एवं भोजन आदि की व्यवस्था शासन की ओर से की जाएगी। यात्रा प्रारंभ होने वाले स्थान तक यात्रियो को स्वयं के साधन एवं खर्चे से आना होगा। जिले के वरिष्ठ नागरिको से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि तक आवेदन कर ले। चूंकि इस योजना के तहत तीर्थ दर्शन के लिए 191 सीट निर्धारित है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नही किये जा सकेंगे।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के प्रथम चरण का आवंटन जारी

विद्यार्थियों को 15 जून तक जमा करना होगा प्रवेश शुल्क

जगप्रेरणा बालाघाट।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत एनसीटीई पाठ्यक्रमों (बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड., एम.पी.एड. आदि)

के प्रथम चरण का महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिया गया है। प्रथम चरण में पात्र अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। आवंटित अभ्यर्थियों को प्रवेश सुनिश्चित करने के लिये 15 जून 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कुल 64,641 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 59,113 आवेदनों का सत्यापन किया गया। प्रथम चरण में 32,918 अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं।

उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों से आग्रह किया है कि वे अपने लॉगिन के माध्यम से आवंटन की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित समय-सीमा में शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा नहीं करने पर आवंटन निरस्त माना जाएगा तथा सीट आगामी चरणों के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे. मो। 9329033433

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजय टेंभरे लांजी
मो. 7697505999

जग प्रेरणा

लांजी किरनापुर

● हिर्री ● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● बहेला ● रिसेवाड़ा ● कारंजा ● साडरा

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

बोलेगांव में स्लैब कलवर्ट पुलिया 3 वर्षों में हो गया जर्जर, लाखों खर्च करने के बाद गुणवत्ता पर उठे सवाल

जगप्रेरणा लांजी।

लाखों रुपये की सरकारी राशि खर्च कर बनाए जाने वाले पुल और पुलियों का उद्देश्य वर्षों तक जनता को सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना होता है, लेकिन बोलेगांव में दुर्गा मंदिर के पास स्थित

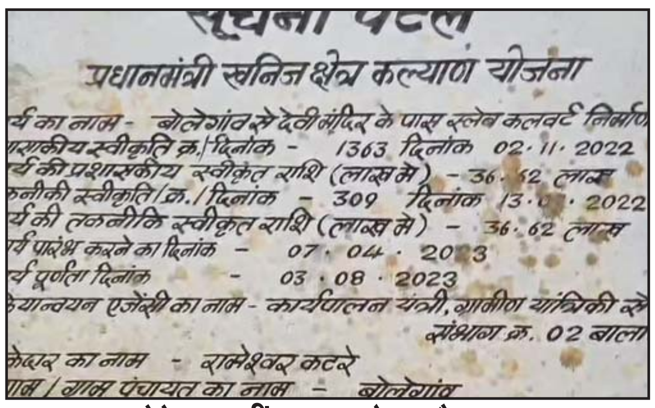

स्लैब कलवर्ट पुलिया का हाल इस दावे पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है। लगभग 36.62 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह पुलिया निर्माण के महज तीन वर्ष के भीतर ही बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। पुलिया से जुड़ी एप्रोच रोड नीचे बैठ जाने के कारण पुल और सड़क के जोड़ वाले हिस्से पर बड़ा गड्ढा उभर आया है, जो राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि आगामी 15 से 20 दिनों में मानसून की सक्रियता बढ़ने की संभावना है। ऐसे में यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो आवागमन जोखिम भरा हो जाएगा। स्थानीय लोगों के अनुसार विशेष रूप से रात के समय या बारिश के दौरान यह गड्ढा दिखाई नहीं देता, जिससे दोपहिया वाहन चालक असंतुलित होकर दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कोई वाहन तेज रफ्तार में इस हिस्से से गुजरे तो बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिया निर्माण के दौरान एप्रोच रोड को तकनीकी मानकों के अनुरूप पुल से नहीं जोड़ा गया। उचित कॉम्पेक्शन और गुणवत्ता नियंत्रण नहीं होने के कारण समय के साथ सड़क धंसती चली गई और अब पुलिया के दोनों ओर खतरनाक स्थिति निर्मित हो गई है। लोगों का कहना है कि यह केवल सामान्य टूट-फूट का मामला नहीं, बल्कि निर्माण गुणवत्ता से जुड़ा गंभीर विषय है, जिसकी जांच होनी चाहिए।

ठेकेदार नहीं उठाता फोन, कौन करेगा मरम्मत..?

ग्रामीणों के अनुसार इस समस्या को लेकर ठेकेदार को 50 से अधिक बार फोन कर अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक न तो कोई निरीक्षण किया गया और न ही मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि जब निर्माण के कुछ वर्षों बाद ही पुलिया की यह स्थिति है, तो इसकी गुणवत्ता का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य परिस्थितियों में किसी आरसीसी पुल या स्लैब कलवर्ट की आयु कई दशकों तक मानी जाती है। गुणवत्तापूर्ण निर्माण और नियमित रखरखाव होने पर ऐसे निर्माण 30 से 50 वर्ष या उससे अधिक समय तक सुरक्षित रूप से उपयोग में बने रहते हैं। ऐसे में महज तीन वर्ष के भीतर एप्रोच रोड का धंस जाना और पुलिया के समीप खतरनाक गड्ढा उभर आना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। बारिश सिर पर है और स्थिति दिन-प्रतिदिन चिंताजनक होती जा रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद जनता को टिकाऊ और सुरक्षित निर्माण कब मिलेगा, और यदि कोई दुर्घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना से हुआ था निर्माण..

जानकारी के अनुसार उक्त निर्माण कार्य प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत कराया गया था। बोलेगांव से दुर्गा मंदिर मार्ग पर स्थित इस स्लैब कलवर्ट का निर्माण 7 अप्रैल 2023 से 3 अगस्त 2023 के बीच पूर्ण किया गया था। इसकी स्वीकृत लागत 36.62 लाख रुपये थी। निर्माण कार्य की क्रियान्वयन एजेंसी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-02, बालाघाट रही, जबकि कार्य का ठेका रामेश्वर कटरे को दिया गया था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई और इसी का परिणाम आज सामने दिखाई दे रहा है।

उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप किया गया होता तो तीन वर्ष के भीतर ऐसी स्थिति निर्मित नहीं होती। ग्रामीणों ने पुलिया की तकनीकी जांच, निर्माण गुणवत्ता की स्वतंत्र पड़ताल तथा दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

बोले सहायक यंत्री टी.पी. परते

पुलिया से जुड़ी समस्या की जानकारी विभाग के संज्ञान में आ चुकी है। संबंधित ठेकेदार को पत्र जारी कर आवश्यक मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही मौके पर सुधार कार्य कराकर ग्रामीणों को इस समस्या से राहत दिलाई जाएगी।

प्रधान मंत्री स्वनिधि योजना से राखी को मिला रोजगार, आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

जगप्रेरणा लांजी।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों और स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। नगर परिषद लांजी की वार्ड क्रमांक 02 निवासी श्रीमती राखी गजबे ने इस योजना का

लाभ लेकर न केवल अपना व्यवसाय स्थापित किया, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बनाया है।

श्रीमती राखी गजबे बताती हैं कि कोरोना महामारी के बाद उनके परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर हो गई थी। परिवार के भरण-पोषण के लिए कोई स्थायी आय का साधन नहीं था। वह स्वयं का क्लॉथ स्टोर खोलना चाहती थीं, लेकिन पूंजी के अभाव में उनका सपना अधूरा था। इसी दौरान उन्हें नगर परिषद लांजी के माध्यम से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। योजना के तहत उन्होंने ऑनलाइन आवेदन किया और उन्हें प्रथम चरण में ऋण राशि प्राप्त हुई। इस राशि से उन्होंने अपने क्लॉथ स्टोर व्यवसाय की शुरुआत की। व्यवसाय शुरू होने के बाद उनकी मासिक आय में वृद्धि हुई और परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आने लगा।

समय पर ऋण चुकाने और व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित करने के कारण उन्हें योजना के अगले चरणों में भी ऋण की सुविधा मिलती रही। वर्तमान में उन्हें तृतीय चरण में 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ है, जिससे उन्होंने अपने व्यवसाय का विस्तार किया है। आज उनका क्लॉथ स्टोर लांजी के सुभाष चौक में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है और उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है। श्रीमती राखी गजबे को पीएम स्वनिधि योजना के साथ-साथ 'मैं भी डिजिटल' तथा 'स्वनिधि से समृद्धि' योजनाओं का भी लाभ मिला है, जिससे उनके व्यवसाय को और मजबूती मिली है।

राखी गजबे प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया है। आज वह अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं और अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी हुई हैं।

पी एम आवास योजना से लक्ष्मी का सपना हुआ साकार, पक्के मकान में होगा गुजर बसर..

जगप्रेरणा लांजी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए आशा की नई किरण बनकर उभरी है। नगर परिषद लांजी के अंतर्गत रहने वाली

श्रीमती लक्ष्मी पशीने पति श्री मनोज पशीने ने इस योजना का लाभ प्राप्त कर अपने पक्के घर का सपना साकार किया है। श्रीमती लक्ष्मी पशीने अपने परिवार के साथ लंबे समय से एक जर्जर कच्चे मकान में निवास कर रही थीं। परिवार में पति-पत्नी एवं उनकी पुत्री शामिल हैं। मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले इस परिवार के लिए पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पा रहा था। बारिश के दिनों में कच्चे मकान की छत से पानी टपकता था और सांप-बिच्छू एवं अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का भय हमेशा बना रहता था। छोटी बच्ची को भी प्रतिकूल परिस्थितियों में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इसी दौरान उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने नगर परिषद लांजी में आवेदन प्रस्तुत किया। पात्रता जांच के बाद उनका चयन योजना के लिए किया गया और उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 2.50 लाख रुपये की सहायता राशि किश्तों में प्राप्त हुई। प्राप्त राशि का उपयोग कर श्रीमती लक्ष्मी पशीने ने अपना पक्का आवास निर्मित कराया। आज उनका परिवार सुरक्षित और सुविधाजनक पक्के घर में निवास कर रहा है। आवास निर्माण के बाद उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है। वर्तमान में वे मजदूरी कार्य के साथ-साथ सिलाई का कार्य भी कर रही हैं, जिससे परिवार की आय में वृद्धि हो रही है।

श्रीमती लक्ष्मी पशीने का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके परिवार को नई पहचान और सुरक्षा प्रदान की है। वे इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हैं। उनका मानना है कि यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान कर रही है।

मांगो को लेकर पेंशनर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन..

अधिकारों का हनन करने का आरोप..

जगप्रेरणा लांजी।

प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी ने पेंशनर्स की लंबित मांगों के निराकरण को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी के

माध्यम से सौंपा। एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि वर्षों से लंबित मांगों पर उचित ध्यान नहीं दिए जाने के कारण प्रदेश के करीब पांच लाख पेंशनर्स और उनके परिवारों में गहरा असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित तिथियों के अनुरूप पेंशनर्स को महंगाई राहत और अन्य आर्थिक लाभ समय पर नहीं मिल रहे हैं।

साथ ही स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं के अभाव में वरिष्ठ नागरिकों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनका जीवन प्रभावित हो रहा है। एसोसिएशन ने प्रमुख मांगों में मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49(6) को समाप्त करने की मांग उठाई, जिसे पेंशनर्स के अधिकारों में बाधक बताया गया। वहीं राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना का स्वागत करते हुए उसमें कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए निर्धारित प्रीमियम दरों में समानता लाने की मांग की गई। एसोसिएशन का कहना है कि कर्मचारियों से एक प्रतिशत और पेंशनर्स से चार प्रतिशत प्रीमियम लिया जाना न्यायसंगत नहीं है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पेंशनर्स को मिलने वाले आर्थिक लाभ और एरियर का भुगतान कई महीनों अथवा वर्षों की देरी से किया जाता है।

संगठन ने इसे पेंशनर्स के अधिकारों का हनन बताते हुए सभी देयकों का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है। पेंशनर्स ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट सहित विभिन्न न्यायालयों के आदेशों का हवाला देते हुए मांग की कि मध्यप्रदेश के पेंशनर्स को भी केंद्र सरकार की देय तिथि से लाभ प्रदान किए जाएं। साथ ही कोरोना काल का बकाया एरियर, छठवें वेतनमान का 32 माह तथा सातवें वेतनमान का 27 माह का एरियर छह प्रतिशत ब्याज सहित शीघ्र भुगतान करने की मांग रखी गई। इसके अतिरिक्त संगठन ने 80 वर्ष की आयु पर मिलने वाले 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन लाभ को पूर्व न्यायालयीन निर्णयों के अनुरूप 79 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर लागू करने तथा नियमित कर्मचारियों की भांति पेंशनर्स को भी उपादान राशि (ग्रेच्युटी) का लाभ प्रदान करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान पेंशनर्स ने 'इंकलाब जिंदाबाद और 'पेंशनर्स एकता जिंदाबाद के नारे लगाए तथा चेतावनी दी कि यदि उनकी न्यायोचित मांगों पर शीघ्र और सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान तहसील अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे, सचिव आई.एस. चौहान, एन.एल. बसेना, बी.के. पारधी, गजलाल दमोह, बलवंत बल्ले, तिलकचंद धामने, कन्हैयालाल बनोटे, बी.आर. बनोटे, लुकचंद चौधरी, डी.आर. लिल्हारे, के.आर. नाईक, लालाराम नंदनवार, उमंगप्रसाद कबीरे, लखनलाल मुछावड़, धनीराम सोनवाने, तेजराम लिल्हारे, श्यामदेव येरपुड़े, हृदयराम राहंगडाले, भक्त प्रहलाद ठाकरे, सदाराम धारने, सोनीप्रसाद टेंभरे, परमेश्वर कुथे, जागेश्वर एड़े, जगनलाल चौधरी, बेनीराम ढोक, ठाकुर दास पटले, पी.एल. मस्करे सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहे।

कलेक्टर मृणाल मीना नें पेयजल प्रदाय व्यवस्था की समीक्षा की..

पेयजल व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर मृणाल मीना..

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक में दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिले में पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने तथा आम नागरिकों को किसी प्रकार की पेयजल समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने गुरुवार 11 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी (पीएचई) विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में पेयजल व्यवस्थाओं, खराब हैंडपंपों की मरम्मत, जल स्रोतों की स्वच्छता तथा सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की स्थिति पर गहन चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बी.एल. उइके सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीओ) को निर्देशित किया कि जिले में जहां कहीं भी हैंडपंप खराब अवस्था में हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सुधरवाया जाए। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान पेयजल की उपलब्धता नागरिकों की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करने तथा समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि केवल जल उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी हैंडपंपों, कुंओं एवं अन्य जल स्रोतों के आसपास नियमित साफ-सफाई कराई जाए ताकि गंदगी और दूषित वातावरण के कारण किसी भी प्रकार की जलजनित बीमारी फैलने की आशंका न रहे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पेयजल आम नागरिकों का मूलभूत अधिकार है और प्रत्येक व्यक्ति तक पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पहुंचाना शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल से जुड़ी प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका त्वरित और प्रभावी निराकरण किया जाए। समीक्षा के दौरान सीएम हेल्पलाइन में दर्ज पेयजल संबंधी शिकायतों पर विशेष ध्यान दिया गया। कलेक्टर श्री मीना ने पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया कि सभी लंबित शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही या अनावश्यक विलंब पाया गया तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी एसडीओ को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्राप्त जन शिकायतों की नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

कलेक्टर ने कहा कि जिन तहसीलों में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें लंबित पाई जाएंगी, वहां संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।उन्होने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे संवेदनशीलता, जवाबदेही और तत्परता के साथ कार्य करते हुए जिले में पेयजल व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने का काम करें, ताकि प्रत्येक नागरिक को समय पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके और किसी भी क्षेत्र में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल,
ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां,
ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें,
बेड शीट्स के थोक व चिल्हर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सोमग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..
एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433

फिर सुलग़ रही खाड़ी: होर्मुज जलडमरूमध्य बंद,दुनियाँ में हड़कंप–भारत की ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई और अर्थव्यवस्था पर मंडराता संकट? – व्यापक समग्र विश्लेषण..

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गया है। 11 जून 2026 को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य, को सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा कर दी। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जाएगा। यह कदम कथित रूप से अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री टकराव तथा अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के बाद उठाया गया है। इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी बेचैनी फैल गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 95.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई लगभग 92.6 डॉलर प्रतिबैरल तक पहुंच गया है। दुनियाँ की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है, इसलिए इस घटनाक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने भी खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताव्यक्त की है। वर्तमान घटनाक्रम केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह बिल्कुल सही है क़ि होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व ऊर्जा व्यवस्था की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक और ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य रास्ता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करोड़ों बैरल तेल और विशाल मात्रा में एलएनजी इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। यही कारण है कि जब भी इस जलमार्ग में व्यवधान आता है, उसका असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है। वर्तमान संकट में भी निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों ने आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए तेल खरीदना शुरू कर दिया,जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल उछाल देखने को मिला।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली प्रतिक्रिया तेल कीमतों में तेजी के रूप में सामने आई है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है जबकि डब्ल्यूटीआई भी 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है या सैन्य संघर्ष और बढ़ता है तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ने की आशंका है क्योंकि ऊर्जा लागत लगभग हर आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती है।

साथियों, भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से पूरा होता है और उसका एक बड़ा भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसलिए इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर भारतीय ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। यदि तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत का आयात बिल बढ़ेगा,चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। ऊर्जा आयात पर बढ़ती लागत अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचती है और महंगाई को बढ़ावा देती है।सबसे पहला प्रभाव पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने से भारतीय तेल विपणन कंपनियों की लागत बढ़ जाती है। यदि मौजूदा तनाव कुछ और दिनों या सप्ताहों तक बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का अनुमान है कि लंबी अवधि तक ऊंचे तेल मूल्य बने रहने पर ईंधन की कीमतों में कई रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा।पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं हैं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा हैं। डीजल की कीमत बढ़ने का अर्थ है कि ट्रकों, बसों और मालवाहक वाहनों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। जब परिवहन महंगा होता है तो फल, सब्जियां, दूध, अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगती हैं। यही कारण है कि तेल कीमतों में वृद्धि को अक्सर 'महंगाई की जननी' कहा जाता है। एक बार यदि ईंधन लागत बढ़ती है तो उसका असर अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सटीकता से दिखाई देता है।

साथियों, 7 जून 2026 से मृग लग गया है व खेती के कार्य शुरू हो चुके हैं,कृषि क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। भारत में सिंचाई, कृषि मशीनरी और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। डीजल महंगा होने से किसानों की लागत बढ़ेगी और इसका असर खाद्यान्न कीमतों पर पड़ सकता है। इसके अलावा उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर है। यदि ऊर्जा लागत बढ़ती है तो उर्वरकों का उत्पादन भी महंगा हो सकता है।विमानन क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ सकता है। विमान ईंधन की लागत एयरलाइंस के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा होती है। यदि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई किराए में वृद्धि संभव है। इससे पर्यटन उद्योग, व्यापारिक यात्राओं और विमानन क्षेत्र की मांग पर असर पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए चिंता का एक और बड़ा विषय एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति है। भारत कतर सहित खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहता है तो सीएनजी और पीएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ- साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण और औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। पिछले वर्षों में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद हैं जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में किया जा सकता है।विशाखापट्टनम मैंगलोर और पादुर जैसेस्थानों पर स्थापित भूमिगत भंडारण सुविधाएं सीमित अवधि के लिए देश को राहत प्रदान कर सकती हैं। ये भंडार किसी भी अचानक आपूर्ति संकट के दौरान महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।इसके अतिरिक्त भारत नेऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को एक वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत उपलब्ध कराया है। रूस से आने वाला तेल सामान्यतः अन्य समुद्री मार्गों से आता है, इसलिए होर्मुज संकट की स्थिति में यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। यदि आवश्यकता हुई तो भारत रूस तथा अन्य गैर-खाड़ी आपूर्ति कर्ताओं से आयात बढ़ाने की दिशा में सटिका से कदम उठा सकता है।

साथियों, सऊदी अरब,यूएई और अन्य खाड़ी देशों के पास भी कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल निर्यात किया जा सकता है। हालांकि ये मार्ग होर्मुज के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, फिर भी वे वैश्विक बाजार में आपूर्ति के पूर्ण ठहराव को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसी कारण ऊर्जा बाजारों में अभी भी आशा बनी हुई है कि राजनयिक प्रयासों के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा।भू-राजनीतिक दृष्टि से यह संकट केवल तेल या गैस तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है। इसके बंद होने से बीमा लागत, माल ढुलाई शुल्क और शिपिंग समय में वृद्धि होती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ते हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी और यूक्रेन संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही आपूर्ति व्यवधानों का अनुभव कर चुकी है; ऐसे में होर्मुज संकट नई चुनौतियां पैदा कर सकता है।

साथियों, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते हमले और समुद्री असुरक्षा वैश्विक व्यापार तथा भारतीय नागरिकों दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों, व्यापारिक जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसलिए नई दिल्ली स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक समाधान का समर्थन कर रही है।वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यह संकट कितने समय तक चलता है। यदि राजनयिक प्रयास सफल होते हैं और जलडमरूमध्य जल्द खुल जाता है तो तेल बाजारों में स्थिरता लौट सकती है। लेकिन यदि सैन्य टकराव बढ़ता है या मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लग सकता है। तेल की कीमतें तीन अंकों तक पहुंच सकती हैं, महंगाई बढ़ सकती है और कई आयात- निर्भर देशों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है। आने वाले दिनों में दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया पर टिकी रहेंगी, क्योंकि होर्मुज की स्थिति केवल तेल की कीमतों का नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता का भी निर्धारण करेगी।

रचनाकार

एडव्होकेट किशन भगनानी गोंदिया

शब्दवर्गपहेली क्र.- 190

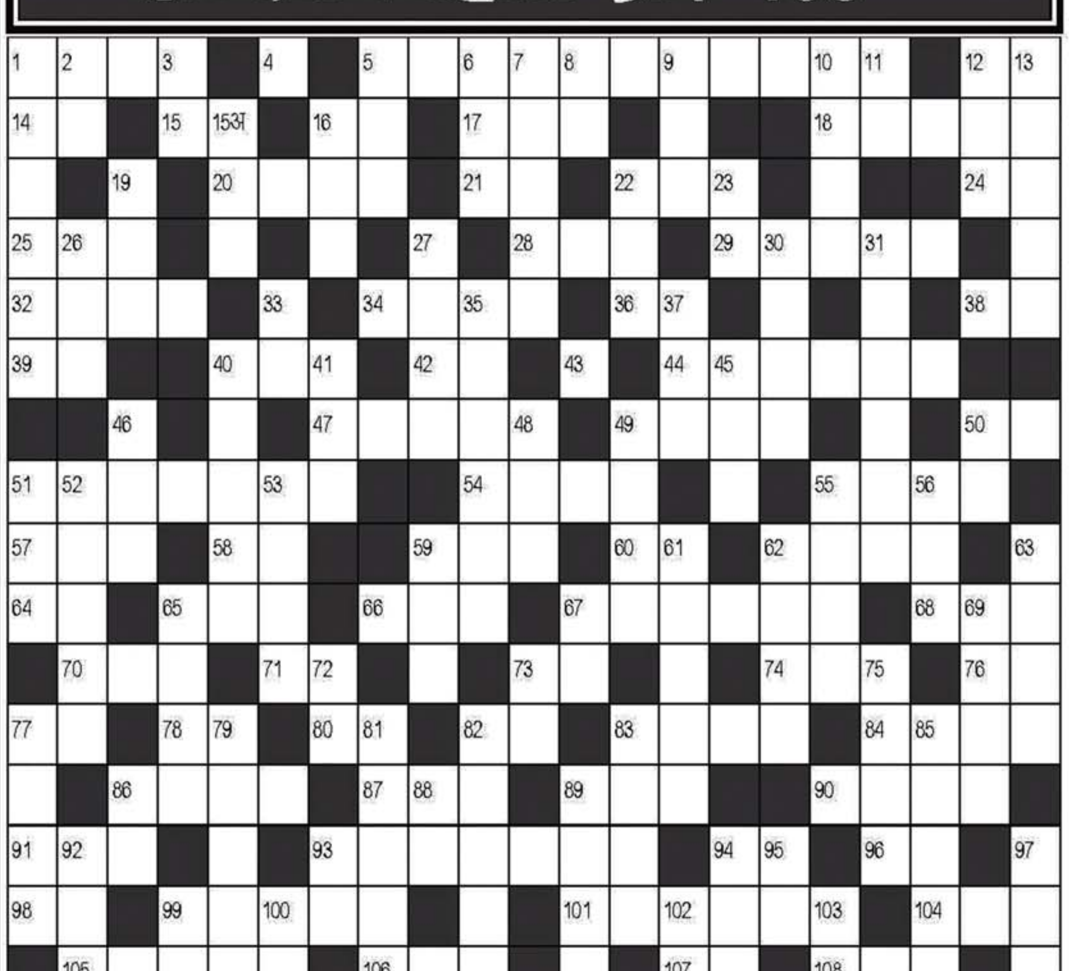

ck;s ls nk;s &1) मेघनाद, रावण का बेटा 4) श्रीमान का संक्षिप्त रुप 5) क्रोध आदि के कारण विवेक नष्ट होना या मारने जैसी हरकत करना अर्थवाला एक मुहावरा 12) शुष्क 14) तुम्हारा (संस्कृत) 15) शर्म (उर्दू) 16) मारे हुए 17) फांसा फेंककर भविष्य जानने की विद्या 18) लड़ने के निए प्रोत्साहित करना 20) प्रणाम 21) दान देनेवाला 22) व्याकरण में दो या अधिक पदों का मिलकर एक पद बनना 24) उस समय 25) विचारणीय विषय, समस्या 28) शांती, आराम 29) शुश्रुषा 32) एक देश जिसकी राजधानी बैरुत है 34) घर का काम 36) रोटी सेंकने का एक गोल उपकरण 38) नसल 39) बड़ी नाली 40) शपथ 42) दिखावा, धुर्तता, 'यार' को उल्टा लीखिये 43) गाय 44) संधि करना 47) सिनेमा गृह में फिल्म दिखाने का परदा 49) असलियत 50) जिसे आंखो से कुछ दिखाई न देता हो 51) जीवन बहुतही कठीण या दुःखमय होना अर्थवाला एक मुहावरा 54) चुनौती 55) सज्जनता 57) एक राशी 58) खैरात 59) बिहार की राजधानी 60) समूह 62) राजी 64) नासिका 65) अकेला 66) पीड़ित करना, तंग करना 67) आक्रमण करना 68) वाद्य बजानेवाला 70) दो व्यक्तियों या वस्तुओं की टकराहट 71) सूरज 73) स्मरण 74) गीतों की एक किस्म 76) प्रत्येक 77) छाती 78) शरीर की ऊंचाई 80) दबाव 82) वर्ष 83) खुलेआम 84) चहचहाना 86) प्रवीणता 87) तर्क 89) बरसात 90) बाहर आना 91) खेत की उपज 93) वार्तालाप करना 94) विवाह के बाद की रस्म जिसमें वर वधु को अपने साथ ले जाता है 96) गांव या शहर का प्रवेश स्थल जहां चुंगी की वसूली की जाती है 98) ओंठ 99) अपचन 101) अखबार 104) एक नहर जो पैसिफिक व अटलांटिक महासागर को जोड़ती है 105) दुर्व्यवहार 106) विश्व 107) एक राम पुत्र 108) स्तोत्र, प्रार्थना

Åij ls uhps &1) बदला लेना 2) तरल वस्तु 3) परत 5) जुल्म 6) चिक 7) घुमक्कड़ 8) विस्मृती, गलत 9) आघात, दुःख 10) इंदौर के पूर्ववर्ती शासक का कुल नाम 11) घोडे के टापों पर लगाया जानेवाला लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा 12) गुजरात का एक प्रसिद्ध शहर 13) बंजारा 15अ) दोस्ताना 16) पराजित करना 19) जीवित कराना 22) निरंतर 23) साध्वी 26) बलवान स्त्री 27) कीर्ती 30) अधीनस्थ 31) दशरथ पुत्र श्रीराम 33) महीना 35) ढांचे में परिवर्तन होना अर्थवाला एक मुहावरा 37) एक सर्प का नाम जिसका वर्णन पुराणों में हुआ है 40) गुणों की परख करनेवाला 41) मृत्यु होना 45) पक्षाघात 46) एक किस्म की भट्टी में बनाई जानेवाली रोटी 48) स्थगित होना 49) हमेशा 50) समाप्ती 51) भोजन करना 52) बेइज्जती होना अर्थ का एक मुहावरा 53) भावी, आगे चलकर नाम कमानेवाला या गुणगान होनेवाला 55) मुसलमान लड़कियों या स्त्रियों का एक नाम 56) मौलवी आदि द्वारा दिया गया कोई फरमान 59) झंड़ी 61) भाग्यरेखा 62) संगीत के सात सुरों के चढ़ाव या उतार का क्रम 63) पहले कही हुई बात से इनकार करना 65) तुणीर 67) सीमा 69) जलना 72) चलते समय ली जानेवाली अनुमती, प्रस्थान 73) वाहन, गाड़ी 75) लोच आना 77) शरीफा, एक फल 79) एक पार्टी से दुसरी पार्टी में जानेवाला 81) अशिष्ट 82) साम्राज्य 83) शीर्षक (उर्दू) 85) ओछापन, नीचता 86) वंश 88) एक छोटा फल 89) वर्षा होना 92) कारण 93) एक बड़ा पक्षी 94) महिमा 95) माप 97) बेटी का पति 99) पर्याप्त 100) अधिकार 102) चलने की क्रिया 103) परेशान, पीड़ित

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

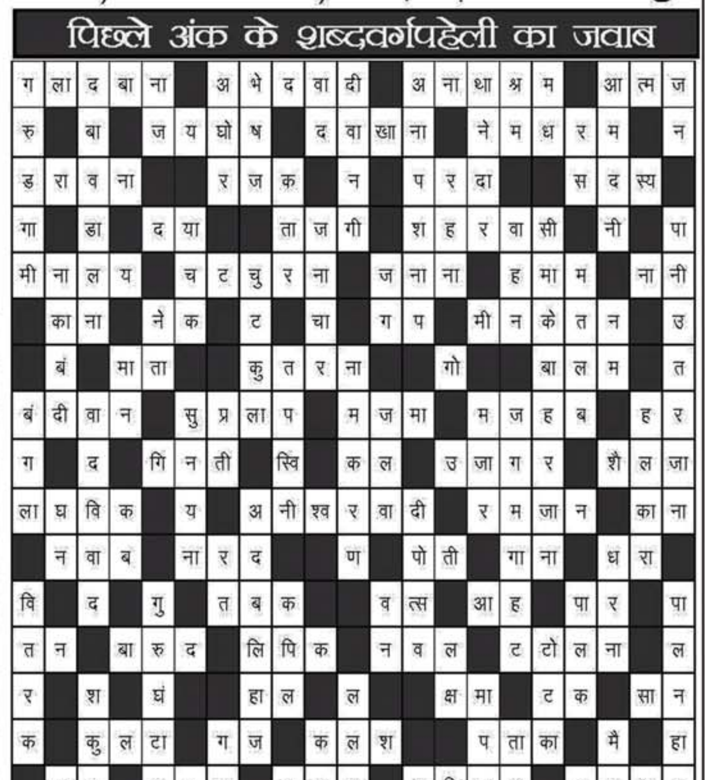

anumeya-08446302691

आडंबर..

आडंबरों का दौर है यहां,
जरा संभलकर रखिए कदम।
षडयंत्रों के भंवर में अब,
कहीं टूट ना जाएं भोला मन।।

रचते कितने ढोंग यहां,
भोले लोग फिर जाएं कहां।
चाटुकारिता यहां चलती हैं,
कर्मठ लोगों की मेहनत छलती हैं।।

देखें हैं चेहरों पर चेहरे,
दिल में लिए राज गहरे।
हर मुस्कान जरूरी नहीं सच्ची है,
कपटी लोगों पे यह कहां फबती है।।

झूठी शान दिखाते लोग,
इन्हें चाहिए सिर्फ
यश,भोग।
दिखावे में यूं मग्न हैं,
फ़रेबों में संलग्न हैं।।

मेरे भोले मन अब तो,
तू ना देख जमाने को।
सच्चाई पे अडिग रह,
समझ अब इस
फसाने को।।

कवयित्री

श्रीमती ऋचा देशमुख

जैसे-जैसे तुम..

जैसे-जैसे तुम दूर होती जा रही हो
मेरे अंदर खुद को बोती जा रही हो।

जैसे-जैसे मैं मरते जा रहा हूं यादों में
मेरे अंदर तुम जिंदा होती जा रही हो।

मैंने तो कफ़न को अब चूम लिया है,
तुम लाल जोड़े में
रोती जा रही हो।

मैं किसी का जिंदगी
भर हो न पाऊंगा
तुम हो की किसी
की होती जा रही हो।

अब तो खुश हो
ना अपने घर-बार में
अब क्यूं मेरे हाल
पर रोती जा रही हो।

रचनाकार

संजय अश्क
पुलपुट्टा, बालाघाट

दशा महा दशा..

समर्पण और त्याग।
कितना भी किसी के साथ।
प्रेम कर लीजिए।
सामने घटनाचक्र घटित।
हो भी रहा है।
तरीके के साथ।
आँखों के सामने
देखते रहिए।
जिसको जैसा लग रहा है।
करने दीजिए।
आपने अगर अच्छे के
लिए बोला।
आपकी खैर नहीं रहेगी।
जो प्रत्यक्ष देखा।
वह तत्काल झूठ ला देगा।
आपको अपनी नजरों से।
नीचा दिखला देगा?

लेखक

आचार्य डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार 'वीर'

दो पिस्टल स्पर्धाओं में उतरेंगी मनु भाकर, रैपिड फायर में सिर्फ अनीश..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर आगामी एशियाई खेलों में दो स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी जबकि पुरूषों के 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल वर्ग में सिर्फ अनीश भानवाला भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने बृहस्पतिवार को एशियाई खेलों के लिये 30 सदस्यीय टीम भारतीय निशानेबाजी टीम का ऐलान किया। मनु को शीर्ष स्तर पर उनकी उपलब्धियों को देखते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल टीम में शामिल किया गया हालांकि वह महासंघ द्वारा कराये गए ट्रायल में सातवें स्थान पर रही थी । वह 25 मीटर पिस्टल ट्रायल में दूसरे स्थान पर रही थी जिससे इस वर्ग के लिये उन्होंने पहले ही टीम में जगह बना ली ।

25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में सिर्फ अनीश भानवाला टीम में हैं । सिर्फ कोटा भरने के लिये दो अतिरिक्त निशानेबाजों को शामिल करने से महासंघ ने इनकार कर दिया और पदक के दावेदारों को ही चुना गया है । एशियाई खेल जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर के बीच होंगे। एनआरएआई ने एक बयान में कहा, 'सभी चयनित खिलाड़ी खेल और युवा कार्य मंत्रालय द्वारा रखे गए क्वालीफिकेशन के कड़े मानदंडों पर खरे उतरे हैं । खेलों की आयोजन समिति द्वारा लागू कड़े 'डाइनेमिक कोटा कैप' की वजह से अंतिम सूची में 30 खिलाड़ियों (15 पुरूष और 15 महिला) को जगह मिली है ।'

खेल मंत्रालय ने स्पष्ट निर्देश दिये हुए हैं कि एशियाई खेलों में पदक जीतने की वास्तविक संभावना वाले खिलाड़ियों को ही चुना जाये ।

मनु के अलावा विदर्सा के विनोद (महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस) , पूर्व विश्व चैम्पियन रूद्रांक्ष पाटिल (पुरूषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस) और एशा सिंह (महिला 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल) को दो स्पर्धाओं में उतारा जायेगा ।

टीम का चयन आठ जून को देहरादून में चयन समिति की बैठक में किया गया ।

टीम : राइफल पुरूष :

10 मीटर एयर राइफल: पार्थ राकेश माने, हिमांशु ढिल्लों, रूद्रांक्ष पाटिल

50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस: ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार, रूद्रांक्ष पाटिल

राइफल महिला :

10 मीटर एयर राइफल: इलावेनिल वालारिवान, सोनम उत्तम मसकर, विदर्सा के विनोद

50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस: आशी चौकसी, विदर्सा के विनोद, तिलोत्तमा सेन

10 मीटर राइफल मिश्रित टीम: पार्थ प्रकाश माने, इलावेनिल वालारिवन

पिस्टल पुरूष :

10 मीटर एयर पिस्टल: केदारलिंग बी उचागांवे, गौरव, कमलजीत

25 मीटर रैपिड फायर : अनीश भानवाला

पिस्टल महिला :

10 मीटर एयर पिस्टल: सुरूचि, एशा सिंह, मनु भाकर

25 मीटर स्पोटर्स पिस्टल: एशा सिंह, मनु भाकर , राही सरनोबत

10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित: केदारलिंग बी उचागांवे और सुरूचि

शॉटगन पुरूष :

ट्रैप पुरूष: कीनान चेनाइ, अनवर रिजवी, शपथ भारद्वाज

ट्रैप महिला: नीरू, मनीषा कीर, आशिमा अहलावत

स्कीट पुरूष: अनंतजीत सिंह नरूका, भावतेग सिंह गिल, मैराज अहमद खान

स्कीट महिला: परिनाज धालीवाल, रेइजा ढिल्लों, माहेश्वरी चौहान ।

डायरेक्टर ने कहा कट और फोन पर आया डिवोर्स का मैसेज, छलका हुनर हाली का दर्द, एक पल में बिखर गई 9 साल की शादी...

डेस्क जगप्रेरणा।

टीवी की फेमस एक्ट्रेस हुनर हाली सुर्खियों में हैं। उनकी शादी और तलाक को लेकर उन्होंने खुलकर बात की और बताया कि कैसे उनका संसार एक पल में बिखर गया। एक्ट्रेस की शादी तो टूटी ही, लेकिन उनकी जिंदगी भी पूरी तरह बदल गई।

एक्ट्रेस का कहना है कि इस 9 साल की शादी टूटने के बाद उनके पास कुछ नहीं बचा है। दरअसल हुनर हाली और मयंक गांधी को 9 जून को आधिकारिक तौर पर डिवोर्स मिल गया और इसके साथ ही उनकी नौ साल की शादी खत्म हो गई। एक्ट्रेस के लिए ये काफी मुश्किल वक्त हैं और वो अब भी इससे रिकवर कर रही हैं।

खुद को खो रही थीं हुनर..

हुनर ने 2016 में मयंक से शादी की थी, पूरे नौ साल बाद सितंबर 2025 में डिवोर्स के लिए फाइल किया था। उन्होंने अलग होने को अपनी जिंदगी के सबसे इमोशनल फैसलों में से एक बताया।

उन्होंने कहा, 'आप सिर्फ एक इंसान को नहीं छोड़ रहे हैं, आप सपनों, प्लान्स, यादों और उस भविष्य को छोड़ रहे हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा था कि वह आपका होगा। लंबे समय तक मैं खुद से कहती रही कि अगर मैं ज्यादा प्यार करूंगी, ज्यादा एडजस्ट करूंगी, बेहतर समझूंगी तो चीजें आखिरकार ठीक हो जाएंगी, लेकिन सबसे मुश्किल हिस्सा डिवोर्स के लिए फाइल न करना था। यह महसूस करना था कि अब मैं खुद जैसी महसूस नहीं करती।'

डिवोर्स तक प्रॉसेस आसान नहीं था..

उन्होंने आगे कहा, 'यह फैसला सोच-विचार, थकान और क्लैरिटी से आया। मैं एक ऐसे पॉइंट पर पहुंच गई जहां मुझे समझ आया कि अपनी शांति चुनना शादी को रिजेक्ट करना नहीं था, यह खुद से एक कमिटमेंट था।' डिवोर्स फाइनल होने से पहले सभी एस्पेक्ट्स पर क्लैरिटी पक्का करने के लिए कई बार बातचीत हुई। उन्होंने कहा, 'मैं हर क्लॉज और फैसले के लंबे समय के असर को पूरी तरह समझना चाहती थी। प्राथमिकता यह पक्का करना था कि सब कुछ साफ, सही

और कानूनी तौर पर सही हो।' इस सच्चाई को मानने और इससे समझदारी से निपटने का प्रॉसेस आसान नहीं था, ये एक धीरे-धीरे चलने वाला प्रोसेस था। आखिरकार मयंक और मैं एक नतीजे पर पहुंचे और इस चैप्टर को सम्मान के साथ खत्म किया।'

कब लिया ये फैसला?

यह फैसला तब आया जब वह अपने शो 'रिमझिम-छोटी उम्र बड़ा सफर' की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने याद किया, 'डायरेक्टर के 'कट' कहने के कुछ देर बाद मैंने अपना फोन चेक किया और अपनी लीगल टीम का एक मैसेज देखा जिसमें कन्फर्म किया गया था कि कार्रवाई पूरी हो गई है। कुछ सेकंड के लिए मैं बस वहीं खड़ी रही और इसे समझने की कोशिश करती रही। ऐसे भी दिन थे जब मैं सेट पर ऐसी भावनाएं लेकर जाती थी जिन्हें मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती थी। नौ साल के चैप्टर का अंत कभी आसान नहीं होता।

ऐसा लगा जैसे मेरी जिंदगी का एक अहम हिस्सा खत्म हो गया हो। राहत, शुक्रिया और एक तरह का एहसास हुआ। अब जब कानूनी प्रक्रिया खत्म हो गई है तो मैं हल्का महसूस कर रही हूं, इसलिए नहीं कि एक चैप्टर खत्म हो गया है, बल्कि इसलिए कि अब इससे कोई उलझन नहीं जुड़ी है।'

इस अनुभव ने बदल दिया नजरिया..

इस अनुभव ने उनके नजरिए को कैसे बदला है इस बारे में उन्होंने कहा कि इससे निराशा के बजाय स्पष्टता आई है। उन्होंने बताया, 'इस सफर ने मुझे प्यार या शादी के बारे में निराश नहीं किया है। अगर कुछ हुआ है तो इसने मुझे दोनों को और गहराई से समझने में मदद की है। प्यार इतना खूबसूरत है कि उसे एक अनुभव से नहीं बताया जा सकता।

अब वह रिश्तों में जिस चीज को सबसे ज्यादा महत्व देती हैं, वह है इमोशनल सच्चाई और भरोसा। असली भरोसा लोगों को खुद जैसा होने की आजादी देता है। मैं इमोशनल मौजूदगी, सहानुभूति और सच्चे जुड़ाव को महत्व देती हूं। आगे चलकर मैं किसी भी रिश्ते की नींव के तौर पर दोस्ती को महत्व दूंगी। खुलकर बात करने साथ में हंसने और फिर भी उस व्यक्ति के आस-पास पूरी तरह से खुद को महसूस करने की क्षमता ही एक सार्थक जुड़ाव बनाती है'

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार वनडे सीरीज जीती..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीत ली। बारिश के कारण खेल ढाई घंटे रुका रहा जिससे डकवर्थ लुईस पद्धति के अनुसार

बांग्लादेश को जीत के लिए 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला। बांग्लादेश ने छह ओवर रहते पांच विकेट पर 195 रन बनाकर तीन मैच की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। तीसरा और आखिरी मैच रविवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और उसने बिना कोई रन बनाए ही तीन विकेट गंवा दिए। फिर मार्नस लाबुशेन (नाबाद 55 रन) और जेवियर बार्टलेट (52 रन) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत टीम 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन के स्कोर तक पहुंच सकी। बांग्लादेश ने इसी मैदान पर डकवर्थ लुईस पद्धति से पहला मैच 86 रन से जीता था। टीम ने उस टीम में एकमात्र बदलाव करते हुए सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार को अंतिम एकादश में जगह दी। उन्होंने और नजमुल हुसैन शांटो ने 42-42 रन बनाए जबकि तौहीद हृदय 55 गेंद पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे। शांटो और सरकार ने 86 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। 27वें ओवर में बांग्लादेश पांच विकेट पर 144 रन के स्कोर पर लड़खड़ा गया था, लेकिन हृदय और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने नाबाद 51 रन की अटूट साझेदारी करके सीरीज में ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। मैच खत्म होने से ठीक पहले नाथन एलिस की एक गेंद मेहदी के हेलमेट पर लगी जिससे वह घुटनों के बल गिर गए और उन्हें उल्टी हुई। मेहदी ने स्ट्रेचर लेने से इनकार कर दिया और खेलना जारी रखा। लेकिन शांटो ने बताया कि बाद में उन्हें निगरानी के लिए अस्पताल ले जाया गया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और मैथ्यू शॉर्ट वनडे में लगातार तीसरी बार बिना खाता खोले आउट हो गए। उसके बाद कूपर कोनोली और मैट रेनशॉ भी शून्य पर आउट हो गए। वनडे इतिहास में यह केवल चौथी बार था जब किसी टीम ने बिना कोई रन बनाए अपने शुरुआती तीन विकेट गंवा दिए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने 27 रन देकर तीन विकेट और तास्किन अहमद ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने 68 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। बल्लेबाजी क्रम में सातवें नंबर पर उतरे लाबुशेन और बार्टलेट ने 103 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला। लाबुशेन ने 14 पारियों के बाद अपना पहला वनडे अर्धशतक लगाया। उन्हें तनवीर इस्लाम ने जीवनदान दिया जब उन्होंने महज एक रन बनाया था।

'शादीशुदा हूं, बाकी जवाब पतिदेव देंगे', ईशा रिखी ने कुबूल किया बादशाह संग रिश्ता, अफवाहों पर लगाया फुलस्टॉप..

डेस्क जगप्रेरणा।

कुछ दिनों पहले शादी की तस्वीरें वायरल हुई थीं और इन तस्वीरों को देखने के बाद हर किसी का एक ही सवाल था कि क्या बादशाह ने दूसरी शादी कर ली? रैपर बादशाह की गुपचुप शादी काफी चर्चा में रही थी।

बादशाह और उनकी दूसरी पत्नी ईशा रिखी ने इसका आधिकारिक ऐलान नहीं किया था, लेकिन अब शादी के कुश दिनों के बाद सारी अफवाहों और सवालों पर ताला लग गया है। दुल्हन ईशा रिखी ने खुद ऐलान कर दिया है कि वो बादशाह की पत्नी हैं। उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट कर लोगों का ध्यान खींचा है, जिसमें वो बादशाह के साथ रोमांटिक पल बिताते नजर आ रही हैं।

सभी सवालों के ईशा ने दिए बेबाक जवाब..

कई दिनों की गंभीर चर्चाओं के बाद पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की और इसकी साथ ही फैंस उत्साहित हो गए। क्या ये पति-पत्नी हैं या नहीं वाले सवाल का एक्ट्रेस ने एक इंस्टाग्राम पर कुछ सवाल कुछ जवाब सेशन के बीच ने तस्वीर शेयर की और बताया कि वो शादीशुदा हैं। एक शख्स ने उनसे पूछा क्या वो रैपर के साथ शादीशुदा हैं? इसके जवाब में उन्होंने लिखा, 'हां मैं शादीशुदा हूं।' इसके साथ उन्होंने बादशाह को टैग कर दिया, लोगों को इस फायरी सवाल का जवाब इसके साथ ही मिल गया। एक शख्स ने ये भी सवाल किया कि अगर बादशाह आपके पति हैं तो आपने उनके साथ सोशल मीडिया पर एक भी तस्वीर क्यों नहीं पोस्ट की है? इसके जवाब में ही एक्ट्रेस ने प्यार भरी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वो ग्रीन आउटफिट पहने बादसाह की गोद में बैठी और उन्हें गले लगाए दिख रही हैं।

क्यों नहीं सोशल मीडिया पर करते फॉलो?

इसके बाद ही कई फॉलोवर्स ने अलग-अलग सवाल शुरू कर दिए। एक शख्स ने पूछा कि ईशा और बादशाह एक दूसरे को फॉलो क्यों नहीं करते। इसका स्क्रीनशॉट लेकर एक्ट्रेस ने पोस्ट किया। इस सवाल से बचे बिना उन्होंने लिखा, 'सच कहूं तो मेरे पति को ये सारे जवाब देने चाहिए। पति देव दर्शकों के कई सवाल हैं। प्लीज अपनी सहुलियत के अनुसार जल्द से जल्द इनके जवाब दें।' इस जवाब के साथ ईशा ने मजाकिया अंदाज में सारा दोष अपने पति के सिर मढ़ दिया। उन्होंने ये भी जाहिर कर दिया कि दोनों ने सोशल मीडिया पर जीरो-इंटरेक्शन पॉलिसी अपनाई है।

वायरल हुईं तस्वीरें..

बता दें, ईशा रिखी और बादशाह की शादी की तस्वीरें कुछ हफ्ते पहले चर्चा का केंद्र बनीं। ईशा रिखी की मां ने शादी की तस्वीरें पोस्ट की थीं, जिसमें शादी की रस्में नजर आ रही थीं। शादी काफी सादगी भरे अंदाज में हुई, ये भी तस्वीरों से जाहिर हो रहा था। इन तस्वीरों में ईशा रिखी शादी का लाल जोड़ा पहने नजर आई, जबकि बादशाह ने बेज कुर्ता पजामा कैरी किया था।

धमाकेदार बल्लेबाजी से दरवाजा खटखटा रहा भारतीय खिलाड़ी, आखिर कब तक मिलेगी एंट्री..

डेस्क जगप्रेरणा।

भारत और अफगानिस्तान के बीच वनडे सीरीज का आगाज होने वाला है। तीन मैचों की सीरीज का पहला मैच 13 जून को खेला जाएगा।

इसके लिए भारतीय टीम अपनी तैयारी कर रही है। शुभमन गिल के हाथ में टीम की कमान है। इसी दौरान अभी श्रीलंका में ट्राई नेशन सीरीज खेली जा रही है। इसमें भारत, श्रीलंका और अफगानिस्तान की ए टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसमें रुतुराज गायकवाड कमाल की बल्लेबाजी कर रहे हैं।

इसी सीरीज के पिछले मैच में गायकवाड ने शतक लगाया था और अब अर्धशतक लगा दिया है, लेकिन इसके बाद भी उनकी टीम इंडिया में एंट्री नहीं हो पा रही है।

साल 2022 में किया था गायकवाड ने वनडे इंटरनेशनल में डेब्यू..

रुतुराज गायकवाड ने अपना पहला वनडे इंटरनेशनल मैच साल 2022 में खेला था। तब उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफखेलने का मौका मिला था। इसके बाद साल 2025 में उन्होंने अपना आखिरी एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। इन तीन सालों में गायकवाड ने 9 मैच खेलकर 228 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक है। इसके बाद भी भारत बनाम अफगानिस्तान वनडे इंटरनेशनल सीरीज के लिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है। खास बात ये है कि भारतीय टीम के लिए जब उन्हें आखिरी बार बैटिंग का मौका मिला तो उन्होंने सेंचुरी ठोकी थी। लेकिन इसके बाद भी उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

पहले इंडिया ए के स्काड में भी नहीं थे गायकवाड..

मजे की बात तो ये भी है कि जब इस ट्राई सीरीज के लिए भारत की ए टीम का ऐलान किया गया था, तब भी रुतुराज गायकवाड को टीम में शामिल नहीं किया गया था।

सीरीज के आगाज से पहले ही रियान पराग चोटिल हो गए और उन्हें बाहर जाना पड़ा। उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर गायकवाड को टीम में लिया गया और पहले ही मैच में शतक लगाकर उन्होंने अपनी उपयोगिता भी साबित कर दी। श्रीलंका ए के खिलाफ गायकवाड ने 114 बॉल पर 101 रन की पारी खेली और अब जब अफगानिस्तान की ए टीम के खिलाफ मैच हो रहा है, तो यहां उन्होंने 80 बॉल पर 66 रन बनाए।

गायकवाड ने पिछली छह लिस्ट ए पारियों में से तीन बार शतक पूरा किया..

खास बात ये है कि अपनी पिछली छह लिस्ट ए मैचों की पारियों में से उन्होंने तीन बार शतक पूरा किया है। दो बार उन्होंने अर्धशतक लगाया है। केवल एक मैच में वे 15 बॉल पर 22 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद भी वे टीम इंडिया के मैंबर नहीं हो पा रहे हैं। यहां तक कि जब विराट कोहली चोटिल होकर अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर हो गए तो उनकी जगह भी गायकवाड का नंबर नहीं आया। अभी ट्राई नेशन सीरीज में दो और मैच बाकी हैं, उसमें भी वे बल्लेबाजी करते हुए नजर आएंगे, उसमें देखना होगा कि वे इन दो मैचों में कैसी बल्लेबाजी करते हैं।

सबसे खास बात ये है कि टीम इंडिया के सिलेक्टर्स की नजर उन पर कब तक पड़ेगी, ताकि वे टीम इंडिया के परमानेंट मैंबर हो सकें।

मस्ती के मेले में दिखे दर्जनभर से ज्यादा स्टार

कॉमेडी का लगेगा जोरदार तड़का..

डेस्क जगप्रेरणा।

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन और परेश रावल समेत 2 दर्जन से ज्यादा दिग्गज सितारों से सजी फिल्म वेलकम टू द जंगल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में मस्ती का मेला लगते हुए दिख रहा है और धाकड़ सितारे रंग जमाते दिख रहे हैं। फिल्म में 25 से ज्यादा दिग्गज स्टार्स अहम किरदारों में दिख रहे हैं। आज रिलीज हुए ट्रेलर में मेकर्स ने इस कहानी की झलक भी दिखा दी है।

26 जून को रिलीज होगी फिल्म..

डायरेक्टर अहमद खान की ये फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म को लेकर दर्शक भी काफी उत्साहित हैं और इस कॉमेडी के मेले के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अक्षय कुमार को बार फिर से कॉमेडी के रोल में देखना काफी दिलचस्प है। साथ ही सुनील शेट्टी के साथ उनकी जोड़ी जमी है जो पहले भी कमाल कर चुकी है। अब देखना होगा कि क्या ये फिल्म भी कमाई के मामले में कमाल कर पाती है। क्योंकि इस फिल्म की स्टारकास्ट और शूटिंग की लोकेशन को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये बड़े बजट में शूट हुई है।

ये है फिल्म की स्टारकास्ट..

फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, परेश रावल, अरशद वारसी, जैकलीन फर्नांडिस, लारा दत्ता, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर समेत कई बड़े दिग्गज कलाकार अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म 250 करोड़ रुपयों से ज्यादा के बजट में बनई गई है और 26 जून को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में कई दिग्गज सितारे अपनी दमदार एक्टिंग का जलवा दिखाते नजर आने वाले हैं। राजपाल यादव ने भी फिल्म में अपने कॉमेडी का तड़का लगाया है, जिसकी झलक इसके ट्रेलर में भी देखने को मिल रही है। अब देखना होगा कि क्या ये फिल्म कमाई के मामले में कुछ कमाल कर पाती है या नहीं। हालांकि मेकर्स को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं और दर्शक भी काफी उत्साहित हैं। ट्रेलर में परेश रावल के किरदार के डायलॉग्स पर भी लोग खूब हंस रहे हैं। साथ ही कृष्णा अभिषेक औक कीकू शारदा की जोड़ी भी फिल्म में कमाल करती नजर आने वाली है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

आकांक्षी जिलों की तर्ज पर कृषि क्षेत्र में तेज विकास के लिए 100 जिलों की हो पहचानः प्रधानमंत्री मोदी..

नयी दिल्ली, (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास के लिए आकांक्षी जिला कार्यक्रम की तरह 100 जिलों की पहचान करने को कहा।

मोदी ने नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह भी कहा कि सभी राज्यों के विकसित हुए बिना देश 'विकसित भारत' नहीं बन सकता। साथ ही, उन्होंने निवेश आकर्षित करने के लिए कारोबार सुगमता और शिकायतों के तेजी से निपटान की जरूरत बतायी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, सभी राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेशों ने बैठक में हिस्सा लिया। यह पहली बार है जब सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की शाषी परिषद की बैठक में भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''वैश्विक अनिश्चितता और अस्थिरता के बीच जब कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अनिश्चितता और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं, भारत की वृद्धि गाथा दुनिया को प्रेरित कर रही है।''

उन्होंने जिला स्तर पर, खासकर 'आकांक्षी जिले के पैमानों के जरिये प्रगति का मूल्यांकन करने की जरूरत बतायी।'

आकांक्षी जिला कार्यक्रम केंद्र सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसे 2018 में शुरू किया गया था। नीति आयोग के नेतृत्व में, इसका उद्देश्य 28 राज्यों के 112 सबसे पिछड़े जिलों को तेजी से रूपांतरित करना है, ताकि समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा सके और देश के सबसे वंचित समुदायों के जीवन स्तर को ऊपर उठाया जा सके प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया, ''इसी तरह, सकारात्मक नतीजे लाने के लिए कृषि के क्षेत्र में भी 100 जिलों की पहचान की जानी चाहिए।'' उन्होंने राज्यों से इस दिशा में पहल करने का आग्रह किया ताकि आकांक्षी दृष्टिकोण के जरिये उल्लेखनीय बदलाव लाया जा सके।''

सहकारी संघवाद के महत्व का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना होगा। 'विकसित भारत' का दृष्टिकोण हर राज्य, जिले, प्रखंड और गांव का सामूहिक संकल्प बनना चाहिए।''

बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जनसांख्यिकीय स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा, ''देश के युवा ही उसकी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। क्योंकि लगभग 70 करोड़ भारतीयों की उम्र 25 साल से कम है।''

उन्होंने इसे 'जनसांख्यिकीय लाभांश बताते हुए, राज्यों से शिक्षा, कौशल विकास और क्षमता निर्माण जैसे प्रयासों के जरिये इसे 'विकास के लाभांश' में बदलने पर ध्यान देने का आग्रह किया, ताकि युवाओं को भविष्य के अवसरों और चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सके।

प्रधानमंत्री ने कई देशों के साथ भारत के हाल के व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए राज्यों से युवाओं और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए मौके बनाने और संबंधित लोगों को इन समझौतों से मिलने वाले लाभ का सही इस्तेमाल करने के लिए तैयार करने को कहा।

उन्होंने राज्यों से भागीदार देशों से निवेश आकर्षित करने के लिए सक्रिय रूप से काम करने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर जोर देते हुए राज्यों से 'लखपति दीदी' की संख्या तीन करोड़ से बढ़ाकर छह करोड़ करने की दिशा में काम करने और 'नारी शक्ति' के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने की बात भी कही।

उन्होंने राज्यों से 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) पहल पर ध्यान केंद्रित करने और इसके इर्द-गिर्द निर्यात-उन्मुख रणनीतियां विकसित करने का आग्रह किया।

उन्होंने अल-नीनो का उल्लेख करते हुए राज्यों से जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा प्राकृतिक और जैविक खेती के तरीकों को प्रोत्साहित करने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मौजूदा खरीफसत्र में किसानों द्वारा 11 लाख टन जैविक खाद की खरीद टिकाऊ खेती में बढ़ते भरोसे को दिखाती है।

प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को हासिल करने के लिए एक निगरानी रूपरेखा और 100-दिन तथा पांच-साल का लक्ष्य तय करने की जरूरत बतायी।

निवेश आकर्षित करने के लिए अच्छे राजकाज, पारदर्शिता और बुनियादी ढांचे के महत्व को रेखांकित करते हुए, उन्होंने राज्यों से ब्रांडिंग, कारोबार सुगमता और डेटा सेंटर तथा कृत्रिम मेधा जैसे उभरते क्षेत्रों में मौकों पर ध्यान देने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई को एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए और भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए कौशल से लोगों को लैस करने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया।

'विकसित भारत' का लक्ष्य केंद्र और राज्यों की सामूहिक जिम्मेदारी, मिलकर करें कामः मोदी..

नई दिल्ली, (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' का दृष्टिकोण हर राज्य, जिले, प्रखंड और गांव का सामूहिक संकल्प बनना चाहिए।

मोदी ने नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह भी कहा कि सभी राज्यों के विकसित हुए बिना देश 'विकसित भारत' नहीं बन सकता। उन्होंने कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास के लिए आकांक्षी जिला कार्यक्रम की तरह 100 जिलों की पहचान करने को कहा।

साथ ही, उन्होंने निवेश आकर्षित करने के लिए कारोबार सुगमता और शिकायतों के तेजी से निपटान की जरूरत बतायी।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''वैश्विक अनिश्चितता और अस्थिरता के बीच जब कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अनिश्चितता और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं, भारत की वृद्धि गाथा दुनिया को प्रेरित कर रही है।''

मोदी ने राज्यों से यह भी कहा कि वे कृत्रिम मेधा के मौकों और साइबर धोखाधड़ी और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग जैसी उभरती सामाजिक चुनौतियों से निपटने के उपायों के बीच संतुलन बनाए रखें। साथ ही, उन्होंने अल-नीनो की स्थितियों से जुड़े खतरों के प्रति आगाह किया और जल संरक्षण के लिए और मजबूत उपाय करने का आह्वान किया।

सहकारी संघवाद के महत्व का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना होगा।

उन्होंने कहा, ''विकसित भारत' का दृष्टिकोण हर राज्य, जिले, प्रखंड और गांव का सामूहिक संकल्प बनना चाहिए।''

प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता की दिशा में देश के संकल्प को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया और विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनाई जाने वाली सबसे अच्छी गतिविधियों को अपनाने और लागू करने की बात कही।

प्रधानमंत्री ने कई देशों के साथ भारत के हाल के व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए राज्यों से युवाओं और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए मौके बनाने और संबंधित लोगों को इन समझौतों से मिलने वाले लाभ का सही इस्तेमाल करने के लिए तैयार करने को कहा।

उन्होंने राज्यों से भागीदार देशों से निवेश आकर्षित करने के लिए सक्रिय रूप से काम करने का भी आग्रह किया। उन्होंने निवेश आकर्षित करने के लिए अच्छी शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और बुनियादी ढांचे के महत्व का जिक्र करते हुए राज्यों से ब्रांडिंग, कारोबार सुगमता के साथ डेटा सेंटर तथा कृत्रिम मेधा जैसे उभरते क्षेत्रों में मौकों पर ध्यान देने का आग्रह किया।

मोदी ने अगली पीढ़ी के विनिर्माण पर भी ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि एआई को एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए और भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए लोगों को कौशल से लैस करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने जिला स्तर पर, खासकर 'आकांक्षी जिले के पैमानों के जरिये प्रगति का मूल्यांकन करने की जरूरत बतायी।'

प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया, ''इसी तरह, सकारात्मक नतीजे लाने के लिए कृषि के क्षेत्र में भी 100 जिलों की पहचान की जानी चाहिए।'' उन्होंने राज्यों से इस दिशा में पहल करने का आग्रह किया ताकि आकांक्षी दृष्टिकोण के जरिये उल्लेखनीय बदलाव लाया जा सके।''

शासी परिषद की दिन भर चली बैठक में सभी राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेशों ने हिस्सा लिया। यह पहली बार है जब सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भाग लिया।

मोदी ने भारत के 70 करोड़ युवाओं को देश की संपत्ति बताया और राज्यों से इस 'जनसांख्यिकीय लाभांश' को 'विकास लाभांश' में बदलने का आग्रह किया।

बयान के अनुसार, मुख्यमंत्रियों, उप-राज्यपालों और प्रशासकों ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके पद पर 12 साल पूरे करने पर बधाई दी।

उन्होंने वैश्विक संकट का सामना करने, ऊर्जा जरूरतों के मामले में भारत की मजबूती बढ़ाने और वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए केंद्र के साथ एकजुटता भी दिखाई।

बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि बातचीत रचनात्मक रही और इसमें राज्यों की आकांक्षाओं, उम्मीदों, अनुभवों, बेहतरीन तौर-तरीकों और चुनौतियों की झलक मिली।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने बैठक के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जब तक सभी राज्य विकसित नहीं हो जाते, तब तक देश 'विकसित भारत' नहीं बन सकता। नीति आयोग के एक सदस्य ने बताया कि प्रधानमंत्री ने राज्यों से स्थानीय स्तर पर विकास का पता लगाने के लिए जिला स्तर पर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का अनुमान लगाने को भी कहा। लाहिड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्यों से 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) पहल पर ध्यान केंद्रित करने और इसके आधार पर निर्यात-उन्मुख रणनीतियां विकसित करने का आग्रह किया। मोदी ने रक्षा विनिर्माण को एक उभरते हुए क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया, जहां भारत अपनी एक अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने राज्यों को इसकी वृद्धि से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने के लिए नीतियां बनाने का आग्रह किया।

एक सवाल के जवाब में लाहिड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और शासी परिषद के अन्य सदस्यों को पता है कि भारत को नियोजित शहरीकरण की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि किसी भी मुख्यमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट के कारण पैदा हुई स्थिति से निपटने के लिए किसी विशेष सहायता की मांग नहीं की।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल से संबंधित मांगों पर कोई विशेष चर्चा नहीं हुई। राज्य में भाजपा ने पहली बार सरकार बनाई है। लाहिड़ी पश्चिम बंगाल में विधायक रह चुके हैं।

एक अन्य सवाल के जवाब में लाहिड़ी ने स्पष्ट रूप से कहा कि पेपर लीक पर कोई चर्चा नहीं हुई। बैठक का विषय 'समावेशी मानव विकास रूपरेखा' था, जो चार मुख्य स्तंभों... बुनियादी मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल, उत्पादक रोजगार, उद्यमिता और विकेंद्रीकृत विकास, स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण और सभी के लिए समानता और सम्मान...पर केंद्रित था।

लाहिड़ी ने नीति आयोग द्वारा तैयार किए जा रहे 'विकसित भारत 2047' दस्तावेज के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, ''...यदि आप एक महीने बाद पैदल मुंबई पहुंचना चाहते हैं, तो आपको यह योजना बनानी होगी कि आप अपनी यात्रा के 28वें या 29वें दिन कहां होंगे।

उन्होंने कहा, ''इसलिए, विकसित भारत के खाके को अब मध्यम अवधि के लक्ष्यों और अल्पकालिक लक्ष्यों में बांटा गया है। प्रधानमंत्री ने इस बारे में बात की है और कुछ मुख्यमंत्रियों ने भी इस पर बात की है।''

उन्होंने कहा, ''विकसित भारत सिर्फ 2047 का ही लक्ष्य नहीं है। विकसित भारत का मतलब है कि हमें कुछ चीज़ें लागू करनी हैं और एक तय तारीख तक कुछ लक्ष्य हासिल करने हैं।''

लाहिड़ी ने बताया कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों ने रोजगार बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने मोदी के हवाले से कहा, ''प्रधानमंत्री ने कहा कि कौशल विकास बहुत जरूरी है।'' लाहिड़ी ने यह भी बताया कि कई मुख्यमंत्रियों ने ऊर्जा की कीमतों को प्रतिस्पर्धी और भरोसेमंद बनाने पर जोर दिया।

फसल वर्ष 2025-26 में बागवानी उत्पादन दो प्रतिशत बढ़कर 37.8 करोड़ टन होने का अनुमान

नई दिल्ली, (भाषा)।

फसल वर्ष 2025-26 के दौरान भारत का बागवानी उत्पादन दो प्रतिशत बढ़कर 37 करोड़ 77.7 लाख टन होने का अनुमान है, जिसका मुख्य कारण फलों और सब्जियों का बेहतर उत्पादन है। सरकार के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

बृहस्पतिवार को जारी एक सरकारी बयान के अनुसार, वर्ष 2025-26 में बागवानी फसलों के तहत खेत का रकबा 301.51 लाख हेक्टेयर था, जो पिछले वर्ष के 301.36 लाख हेक्टेयर से मामूली अधिक है।

कृषि मंत्रालय ने दूसरे अग्रिम अनुमान जारी करते हुए कहा, ''देश में बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 में लगभग 3,777.76 लाख टन होने की उम्मीद है, जो फसल वर्ष 2024-25 (अंतिम) की तुलना में 70.39 लाख टन (1.90 प्रतिशत) की वृद्धि दर्शाता है।''

फसल वर्ष 2024-25 में बागवानी उत्पादन 3,707.38 लाख टन था।

फलों, सब्जियों, फूलों और सुगंधित व औषधीय फसलों के उत्पादन में वृद्धि का अनुमान है।

केला, आम, पपीता, सेब और अमरूद के उत्पादन में वृद्धि के कारण फसल वर्ष 2025-26 में फलों का उत्पादन तीन प्रतिशत बढ़कर 1,214.75 लाख टन होने की उम्मीद है, जो फसल वर्ष 2024-25 में 1,176.49 लाख टन था। सब्जियों का उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 में 1.5 प्रतिशत बढ़कर 2,210 लाख टन होने की उम्मीद है, जो उत्पादन फसल वर्ष 2024-25 में 2,177.97 लाख टन था। आलू, टमाटर, भिंडी, मटर, फूलगोभी और लौकी के उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है। फसल वर्ष 2025-26 में प्याज का उत्पादन 307.37 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि फसल वर्ष 2024-25 में यह 307.67 लाख टन था। वहीं, आलू का उत्पादन फसल वर्ष 2024-25 के 585.71 लाख टन से बढ़कर 598.89 लाख टन होने की उम्मीद है। फसल वर्ष 2025-26 में टमाटर का उत्पादन 214.61 लाख टन रहने की उम्मीद है, जो फसल वर्ष 2024-25 के 205.99 लाख टन की तुलना में 4.19 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सुगंधित और औषधीय पौधों का उत्पादन फसल वर्ष 2024-25 के 9.01 लाख टन से बढ़कर फसल वर्ष 2025-26 में 9.76 लाख टन होने का अनुमान है।

फसल वर्ष 2025-26 के दौरान बागवानी फसलों का उत्पादन 169.34 लाख टन रहने की उम्मीद है। फूलों का उत्पादन वर्ष 2024-25 के 42.65 लाख टन की तुलना में वर्ष 2025-26 में बढ़कर 45.84 लाख टन होने का अनुमान है।

मसालों का उत्पादन वर्ष 2025-26 में बढ़कर 126.55 लाख टन होने की उम्मीद है। बयान में कहा गया है कि लहसुन, हल्दी, करी पत्ता और मेथी के उत्पादन में बढ़ोतरी का अनुमान है।

विकसित भारत 2047 में बिहार की भूमिका अहम, केंद्र से सहयोग की जरूरत : मुख्यमंत्री

पटना, (भाषा)।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि बिहार अब राष्ट्र की विकास यात्रा का केवल सहभागी नहीं, बल्कि समावेशी मानव विकास के मॉडल के रूप में उभर रहा है और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र से कई परियोजनाओं के लिए सहयोग चाहिए।

बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास एजेंडा को विस्तार से प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में उन्होंने शिक्षा, रोजगार, कृषि, उद्योग, पर्यटन और ऊर्जा क्षेत्रों में बिहार की उपलब्धियों का उल्लेख किया। साथ ही जल जीवन मिशन से जुड़े लंबित भुगतान और नई योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, चौधरी ने कहा कि राज्य में बाल्यावस्था शिक्षा और पोषण के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए गए हैं। हजारों आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिकाएं विकसित की गई हैं तथा बच्चों को 'अपार' (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) पहचान पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा में डिजिटल सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है। राज्य के अधिकांश सरकारी विद्यालय इंटरनेट से जुड़े हैं और हजारों स्मार्ट कक्षाएं संचालित हो रही हैं। बालिकाओं के लिए शौचालय की सुविधा सुनिश्चित की गई है तथा स्कूल से बाहर रह गए किशोरों को ओपन स्कूल प्रणाली के माध्यम से पुनः शिक्षा से जोड़ा जा रहा है।

युवा और कौशल विकास के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत बड़ी संख्या में कारीगरों को प्रशिक्षण दिया गया है। पटना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कौशल केंद्र बनाया जा रहा है। उन्होंने कौशल शिक्षा के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता, कौशल विश्वविद्यालय के विकास तथा भागलपुर में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए केंद्र से सहयोग मांगा।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने कहा कि राज्य के 211 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही बिहार में भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) तथा स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर की क्षेत्रीय शाखा स्थापित करने के लिए केंद्र से सहयोग मांगा।

खेल क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार ने हाल के वर्षों में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की सफल मेजबानी की है। राज्य वर्ष 2028 के नेशनल यूथ गेम्स, 2030 हॉकी विश्व कप और 2031 राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी का इच्छुक है तथा इसके लिए केंद्र सरकार के सहयोग की अपेक्षा है।

पर्यटन को राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि गया, बोधगया, राजगीर और नालंदा को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई संपर्क बढ़ने से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को नई गति मिलेगी।

महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की भूमिका लगातार मजबूत हुई है। 'लखपति दीदी' योजना के क्रियान्वयन में बिहार देश में अग्रणी राज्यों में शामिल है और निर्धारित लक्ष्य को समय से पहले पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भागलपुर जिले के पीरपैंती में एक बड़ी ताप विद्युत परियोजना का निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं लखीसराय में बैटरी आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत बड़े पैमाने पर छतों पर सौर संयंत्र लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उद्योग और निवेश के मोर्चे पर मुख्यमंत्री ने नई औद्योगिक नीति, सेमीकंडक्टर नीति और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित निवेश योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में राज्य ने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निजी निवेश आकर्षित किया है। साथ ही 14 नए सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

बैठक के दौरान जल जीवन मिशन से संबंधित वित्तीय मांग प्रमुख मुद्दा रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार ने 'हर घर नल का जल' कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, लेकिन विभिन्न कारणों से केंद्र के हिस्से की राशि प्राप्त नहीं हो सकी है। उन्होंने इस मद में लगभग 13 हजार करोड़ रुपये के भुगतान तथा नई योजनाओं के लिए पांच हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता का अनुरोध किया। इस प्रकार राज्य ने केंद्र सरकार से कुल 18 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की मांग की।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2026-27 में 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमानः विश्व बैंक

वाशिंगटन, (भाषा)।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2026-27 में कम होकर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पिछले साल यह 7.7 प्रतिशत थी। हालांकि, इसके बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। विश्व बैंक ने बृहस्पतिवार को यह अनुमान लगाया।

विश्व बैंक ने 'वैश्विक आर्थिक संभावनाएं' शीर्षक से जारी अपनी रिपोर्ट में कहा, ''वित्त वर्ष 2026-27 (अप्रैल, 2026 से मार्च, 2027) में भारत की वृद्धि दर धीमी होकर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ऊर्जा की ऊंची कीमत और अन्य कच्चे माल की लागत के कारण निजी मांग में कमी आने के कारण वृद्धि दर धीमी पड़ने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती से उपभोक्ता मांग को कुछ हद तक सहारा मिल सकता है। साथ ही, यह भी उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2027-28 में अर्थव्यवस्था फिर से 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर लेगी।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष से जुड़ी अनिश्चितता के बावजूद, इस साल की शुरुआत में भारत में आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी रहीं, जिसे घरेलू मांग से समर्थन मिला।

निजी खपत, खासकर ग्रामीण इलाकों में मजबूत रही है और शहरी मांग में भी सुधार हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू बिक्री से कर संग्रह में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, ऊर्जा की ऊंची लागत और कृषि उत्पादों खासकर उर्वरकों की कमी से कीमतों पर पड़ने वाले दबाव को कम करने के लिए ईंधन कर में कटौती समेत कई कदम उठाए गए हैं। विश्व बैंक ने कहा, ''अमेरिका के शुल्क में कमी और मुक्त व्यापार समझौता लागू होने की उम्मीद से संघर्ष के कारण बाहरी मांग खासकर निर्यात पर पड़ने वाले असर को कम करने में मदद मिल सकती है।'' रिपोर्ट में कहा गया, ''घरेलू मांग में मजबूती और निर्यात वृद्धि में तेजी से अगले दो वित्त वर्ष में वृद्धि दर के फिर से बढ़ने की उम्मीद है।'' दक्षिण एशियाई क्षेत्र में वृद्धि दर 2026 में घटकर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसका मुख्य कारण पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष है। इससे ऊर्जा की बढ़ती कीमतें, तेल और प्राकृतिक गैस की कम आपूर्ति और विदेश में काम करने वाले दूसरे देशों द्वारा अपने देश में पैसा भेजने में कमी तथा पर्यटन में बाधाएं शामिल हैं।

जग प्रेरणा

देश विदेश

● म.प्र. ● महाराष्ट्र ● छ.ग. ● उड़ीसा ● राजस्थान ● गुजरात ● दिल्ली ● हरियाणा ● पंजाब ● जम्मू कश्मीर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

तेल टैंकर में फंसा था मिसाइल का जिंदा वॉरहेड, भारत की नेवी ने निकालकर किया डिस्पोज..

डेस्क जगप्रेरणा।

भारतीय नौसेना ने एक जटिल और बेहद जोखिम भरे ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए कच्चा तेल ले जा रहे एक टैंकर से बिना फटे मिसाइल वारहेड (जिंदा विस्फोटक) को सुरक्षित तरीके से निकालकर निष्क्रिय कर दिया।

नौसेना की इस कार्रवाई ने एक संभावित बड़े हादसे को टाल दिया और समुद्री सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया। नौसेना के अनुसार, मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी ओलंपिक लाइफ **(MT Olympic Life)** से जिंदा मिसाइल वॉरहेड निकाला गया।

फुजैराह बंदरगाह से कोच्चि की ओर जा रहा था टैंकर..

नेवी ने बताया कि इस जहाज पर कोई भी भारतीय नागरिक सवार नहीं था। टैंकर संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह से कोच्चि की ओर जा रहा था। इसी दौरान 26 मई को ओमान तट के पास जहाज के ढांचे में विस्फोट होने की सूचना मिली थी। घटना के बाद भी जहाज अपनी यात्रा जारी रखे हुए था। इसी दौरान जहाज पर एक बिना फटा हुआ विस्फोटक उपकरण मौजूद होने की जानकारी सामने आई। सूचना मिलने पर भारतीय नौसेना ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

एक्सपर्ट्स की टीम को जांच के लिए अंदर भेजा गया..

इन्फॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर-इंडियन ओशन रीजन **(IFC-IOR)** के माध्यम से सूचना प्राप्त होने के बाद कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसेना कमान ने ऐसे वॉरहेड्स को डिफ्यूज करने वाले एक्सपर्ट्स की एक स्पेशल टीम को जांच के लिए भेजा। जांच में पता चला कि एक मिसाइल प्रोजेक्टाइल जहाज के बाहरी हिस्से को भेदते हुए कई आंतरिक संरचनाओं से गुजरकर ईंधन टैंक के भीतर फंस गया था। फ्यूल स्टोरेज टैंक के अंदर जिंदा मिसाइल वारहेड की मौजूदगी को देखते हुए स्थिति बेहद संवेदनशील और खतरनाक थी।

किसी भी प्रकार की चूक से हो सकता था विस्फोट..

माना जा रहा है कि किसी भी प्रकार की चूक से बड़ा विस्फोट हो सकता था। इसे ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञ टीम ने चरणबद्ध और सावधानीपूर्वक रणनीति अपनाई, ताकि जहाज, उसके चालक दल और पोर्ट एरिया की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सभी निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद एक्सपर्ट्स ने अत्याधुनिक तकनीकों और जांच उपकरणों की मदद से वॉरहेड के विस्फोट तंत्र की पहचान की। इसके बाद उसे सुरक्षित रूप से अलग किया गया और संबंधित मलबे के साथ बाहर निकाल लिया गया।

'मिसाइल वॉरहेड को सुरक्षित जगह पर रखा गया'..

नेवी ने बताया कि जहाज से निकाले गए मिसाइल वॉरहेड को सुरक्षित जगह पर रखा गया है, जहां उसकी जांच की जाएगी। नेवी के मुताबिक यह अभियान काफी चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा था, लेकिन इसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस कार्रवाई से नेवी की तकनीकी क्षमता और विस्फोटक सामग्री को सुरक्षित तरीके से संभालने की विशेषज्ञता सामने आई है। नौसेना ने कहा कि समुद्र में किसी भी तरह की आपात स्थिति आने पर वह जहाज किस देश का है या उस पर कौन सवार है, इसकी परवाह किए बिना तुरंत मदद के लिए आगे आती है।

अमेरिका के मिसाइल अटैक में हिमाचल के आदित्य शर्मा की मौत, जहाज पर कैडेट के रूप में कार्यरत थे..

डेस्क जगप्रेरणा।

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले से एक बेहद दुखद और हृदयविदारक खबर सामने आई है। ओमान तट के पास समुद्र में एक ऑयल टैंकर पर हुए अमेरिका के हिंसक हमले में बड़सर विधानसभा क्षेत्र के गलोड़ गांव निवासी 23 वर्षीय आदित्य शर्मा की मौत हो गई।

आदित्य जहाज पर डेक कैडेट के रूप में कार्यरत थे और अपने परिवार की उम्मीदों का प्रमुख सहारा थे। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नाविक आदित्य शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

तीन भारतीय नाविक लापता हो गए थे..

जानकारी के अनुसार, अमेरिका द्वारा ओमान के तट के पास जहाज पर किए गए हमले के दौरान जहाज पर कुल 24 क्रू सदस्य सवार थे। घटना के बाद चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन में 21 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि तीन भारतीय नाविक लापता हो गए थे। लापता लोगों में हिमाचल के युवा नाविक आदित्य शर्मा भी शामिल थे। कई दिनों तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद उनकी मौत की पुष्टि होने से परिवार और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

पूरे इलाके में मातम छाया..

जैसे ही यह दुखद समाचार गलोड़ गांव पहुंचा, पूरे इलाके में मातम छा गया। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि आदित्य बेहद मिलनसार, मेहनती और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित युवा थे। उन्होंने कम उम्र में ही मर्चेंट नेवी में अपनी पहचान बनाई थी और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ रहे थे। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। बड़सर के विधायक ने गहरा दुख जताते हुए कहा कि क्षेत्र ने एक प्रतिभाशाली और होनहार युवा को खो दिया है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया..

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी हॉर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी हमले के दौरान एक तेल टैंकर पर कार्यरत नाविक आदित्य शर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में राज्य सरकार परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें..

मो. 9329033433

चार वर्षीय भांजे की गला रेतकर हत्या करने वाले मामा को फांसी की सजा...

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

गाजीपुर की एक अदालत ने चार वर्षीय मासूम की निर्मम हत्या के मामले में उसके मामा को दोषी ठहराते हुए मृत्युदंड की सजा सुनाई और 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

शासकीय अधिवक्ता अखिलेश सिंह ने बताया कि गहमर थाना क्षेत्र के बारा गांव निवासी मोहम्मद अरबाज खान की तहरीर पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि अमजद खान ने 21 अक्टूबर 2021 को बिना किसी स्पष्ट कारण के अपने चार वर्षीय भांजे दानियाल की गला रेतकर हत्या कर दी थी। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में कुल नौ गवाह पेश किए गए, जिनकी गवाही और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अपराध सिद्ध हुआ। जिला अपर सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह ने मामले की सुनवाई के बाद कहा कि आरोपी ने चार वर्षीय मासूम बालक की अत्यंत क्रूर और निर्मम तरीके से हत्या की है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इस कृत्य से स्पष्ट है कि अभियुक्त ने क्रूरता की सभी सीमाएं पार कर दीं। अदालत ने इसे अत्यंत जघन्य अपराध मानते हुए अमजद खान को फांसी की सजा सुनाई तथा उस पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया।

PoK में विद्रोहियों ने मार गिराया पाकिस्तानी सेना का हेलीकॉप्टर, मारे गए 21 सैनिक..

डेस्क जगप्रेरणा।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी कि PoK में आम जनता ने अब पाकिस्तानी सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सेना के एक MI-17 हेलीकॉप्टर को निशाना बनाया, जो 21 सैनिकों को लेकर मुज़फ़्फ़राबाद की तरफ जा रहा था।

हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया और इसमें सवार सभी 21 सैनिक मारे गए। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने इसे तकनीकी खराबी का हादसा बताया और कहा कि हेलीकॉप्टर पर हमला नहीं हुआ। वहीं **PoK** की जनता का कहना है कि यह हादसा पाकिस्तानी फौज के जुल्मों का नतीजा है।

सेना लोगों को डराने के लिए फायरिंग कर रही..

बता दें कि पाकिस्तान में सरकार और सेना के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए हैं और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पाकिस्तानी रेंजर्स और सेना लोगों को डराने के लिए सीधी फायरिंग कर रही है और इस हिंसा में दर्जनों लोग मारे जा चुके हैं। पाकिस्तानी सेना के द्वारा भेजी गई एविएशन ब्रिगेड को विशेष रूप से **PoK** में क्रैकडाउन के लिए तैनात किया गया है। मस्जिदों, मदरसों और सरकारी इमारतों से एनाउंसमेंट किए जा रहे हैं, जिसमें चेतावनी दी जा रही है कि शहरों की तरफ़बढ़ने वाले प्रदर्शनकारी सरकारी हुक्म की नाफरमानी करेंगे तो परिणाम भुगतने को तैयार रहें।

मारे गए लोगों की संख्या का कोई अंदाजा नहीं..

PoK की जनता पर पाकिस्तानी सेना की इन धमकियों का असर नहीं हुआ। झेलम वैली, ददियाल, कोटली, भीमबर और हजीरा जैसे दूर-दराज के इलाकों से हजारों लोग शहरों की तरफ काफिले में बढ़ रहे हैं। पाकिस्तानी सेना ने उन्हें रोकने के लिए अंधाधुंध फायरिंग की, लेकिन लोग डरे नहीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मारे गए लोगों की संख्या का कोई अंदाजा नहीं है क्योंकि लाशें छुपाई जा रही हैं।

PoK में 8 जून से ही दुकानों के शटर डाउन..

बता दें कि **PoK** में पिछले तीन दिनों से विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी ने महंगी बिजली और आटे के खिलाफ 9 जून से प्रदर्शन शुरू करने का एलान किया था। लेकिन लोग पाकिस्तान की सरकार से इतने नाराज हैं कि उन्होंने 8 जून से ही दुकानों के शटर डाउन कर दिए और शहरों की तरफनिकल पड़े। पाकिस्तान की सरकार ने बगावत को रोकने के लिए पैरा-मिलिट्री फोर्स और रेंजर्स को तैनात किया। निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई गई जिसमें दर्जनों लोगों के मारे जाने की खबर है।

दोस्त ने मरा समझकर कुएं में फेंक दिया था, 4 दिन बाद जिंदा मिला युवक..

डेस्क जगप्रेरणा।

ओडिशा के बरगढ़ जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। यहां एक युवक को उसके दोस्त ने कथित तौर पर हमला करने के बाद मृत समझकर एक सुनसान कुएं में फेंक दिया।

लेकिन चार दिन बाद वह युवक जिंदा मिला और उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में भी ले लिया है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, यह घटना बिजेपुर ब्लॉक के समलाईपदार गांव स्थित एक नर्सरी के भीतर बने कुएं की है। पीड़ित की पहचान पद्मपुर उपखंड के पुरेना गांव निवासी तुलसीराम बरिहा के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को दोपहर करीब 3 बजे तुलसीराम पर उसके एक दोस्त ने कथित तौर पर हमला किया। हमले के बाद आरोपी को लगा कि तुलसीराम की मौत हो चुकी है। इसके बाद उसने कथित रूप से उसे एक सुनसान इलाके के कुएं में फेंक दिया और वहां से फरार हो गया। घटना के बाद तुलसीराम लापता हो गया था और उसकी तलाश की जा रही थी। इस बीच वह गंभीर चोटों के बावजूद कुएं के अंदर ही जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करता रहा। बिना खाना और पानी के चार दिन तक कुएं में फंसे रहने के बावजूद उसने हिम्मत नहीं हारी और किसी तरह जिंदा बचा रहा।

कुएं से आ रही थी भगवान-भगवान की आवाज..

गुरुवार को इस पूरे मामले ने नया मोड़ लिया। समलाईपदार गांव का एक निवासी बिहारी मलिक गांव की नर्सरी के पास जलावन लकड़ी इकट्ठा करने गया था। इसी दौरान उसे कुएं की तरफसे किसी व्यक्ति की आवाज सुनाई दी। जब वह पास पहुंचा तो उसने देखा कि एक व्यक्ति कुएं के अंदर फंसा हुआ है और मदद के लिए पुकार रहा है। बिहारी मलिक ने बताया कि वह लकड़ी इकट्ठा कर रहा था, तभी उसे कुएं से 'भगवान-भगवान' की आवाज सुनाई दी। वह तुरंत वहां पहुंचा। कुएं में फंसे व्यक्ति ने उसे बाहर निकालने की गुहार लगाई। हालांकि उसके पास तत्काल कोई साधन नहीं था, इसलिए उसने गांव जाकर अन्य लोगों को बुलाने का फैसला किया। इसके बाद वह समलाईपदार गांव पहुंचा और ग्रामीणों को पूरी घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों ने आपस में चर्चा करने के बाद पहले पुलिस को सूचना देने का फैसला किया।

पुलिस ने युवक को किया रेस्क्यू..

सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया और काफी कोशिशों के बाद तुलसीराम बरिहा को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। चार दिनों तक कुएं में फंसे रहने के बावजूद उसके जिंदा मिलने से स्थानीय लोग, पुलिसकर्मी और बचाव दल के सदस्य भी आश्चर्यचकित रह गए। बचाए जाने के बाद तुलसीराम को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टर उसकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

आरोपी दोस्त हिरासत में..

पुलिस ने पीड़ित के प्रारंभिक बयान और शुरुआती जांच के आधार पर उसके आरोपी दोस्त को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है ताकि हमले के पीछे का कारण पता लगाया जा सके। जांच अधिकारी यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इस घटना में किसी और व्यक्ति की भी भूमिका थी। पुलिस पूरे घटनाक्रम को जोड़ने में जुटी हुई है और यह समझने का प्रयास कर रही है कि आखिर तुलसीराम चार दिनों तक बिना भोजन और पानी के कुएं के अंदर कैसे जीवित रह सका। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। वहीं, इस घटना को इलाके में एक चमत्कार की कहानी के रूप में देखा जा रहा है, जहां मौत के मुंह में पहुंच चुका एक व्यक्ति चार दिन बाद जिंदा बाहर निकाला गया।

सीलमपुर में हथौड़े से वार कर पत्नी की हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार तड़के बहस के दौरान अपनी पत्नी की कथित रूप से हथौड़े से वार कर हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान दाऊद इसहाक खान (36) के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार तड़के सीलमपुर थाने को सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर कथित तौर पर हमला किया और मौके से फरार हो गया। अधिकारियों ने बताया कि गौतमपुरी इलाके में स्थित घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस दल को 35 वर्षीय महिला का शव मिला। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, सीलमपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया और आरोपी को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर, टीम ने आरोपी का पता लगाया और घटना के कुछ घंटे के भीतर ही उसे गिरफ्तार कर लिया।

उनके मुताबिक, पूछताछ के दौरान, आरोपी ने कथित रूप से खुलासा किया कि उसके और उसकी पत्नी के बीच मामूली बात पर बहस हो गई थी, जिसके दौरान उसने अपनी पत्नी पर छोटे हथौड़े से हमला कर उसकी हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि उसकी निशानदेही पर छोटा हथौड़ा और घटना के समय उसके द्वारा पहने गए कपड़े बरामद कर लिए गए।

भाजयुमो का विस्तार कर हम पक्ष की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने प्रतिबद्ध - रोहित अग्रवाल

भाजयुमो सौंदड मंडल की विस्तारित बैठक संपन्न, नव नियुक्त पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां..

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) सौंदड मंडल की विस्तारित बैठक स्थानीय विश्रामगृह में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक के दौरान भाजयुमो की नई कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा की गई। साथ ही नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर उनका

अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर कई युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी की कार्यप्रणाली एवं विचारधारा में विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। घोषित नई कार्यकारिणी के अनुसार विवेक भेंडारकर को भाजयुमो सौंदड मंडल अध्यक्ष, हिमांशु राऊत को मंडल महामंत्री तथा सारंग सदू विठ्ठले को भाजयुमो सौंदड नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नव नियुक्त पदाधिकारियों को उपस्थित अतिथियों एवं वरिष्ठ नेताओं ने शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

बैठक में भंडारा-गोंदिया विभाग के विरेंद्रभाऊ अंजनकर, जिला परिषद अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर, पंचायत समिति सभापति चेतनभाऊ वडगाय, भाजयुमो गोंदिया जिलाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, ग्राम पंचायत सरपंच हर्ष मोदी, सडक अर्जुनी मंडल अध्यक्ष राजेश कठाणे, विलासभाऊ बागड, ललित डोंगरवार, जिला महामंत्री विक्की बघेले, अभय मानकर, अजीत टेंभरे एवं चरणदास सहारे सहित भाजपा एवं भाजयुमो के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी पार्टी कार्यक्रमों, युवाओं की राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में भूमिका तथा संगठन विस्तार जैसे विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान प्रमुख वक्ताओं ने युवाओं से गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ता, भाजयुमो पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता तथा विभिन्न प्रकोष्ठों एवं मोर्चों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

संपूर्ण कार्यक्रम का नियोजन एवं संचालन हर्ष विनोदकुमार मोदी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सारंग सदू विठ्ठले एवं भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने विशेष परिश्रम किया। इस अवसर पर सौंदड मंडल के भारतीय जनता युवा मोर्चा के सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम संगठन के विस्तार एवं सशक्तिकरण के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेगी और युवाओं को पार्टी से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गंभीर हार्ट अटैक में जटिल एंजियोप्लास्टी कर 60 वर्षीय मरीज की बचाई जान

सहयोग अस्पताल, गोंदिया में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने दिखाई तत्परता..

जगप्रेरणा गोंदिया।

सहयोग अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग ने एक बार फिर जटिल हृदय रोग के सफल उपचार से चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल में 60 वर्षीय एक पुरुष मरीज को अचानक तीव्र सीने में दर्द और गंभीर

अवस्था में भर्ती कराया गया। मरीज की स्थिति को देखते हुए तुरंत इमरजेंसी कोरोनरी एंजियोग्राफी की गई, जिसमें हृदय की तीनों प्रमुख धमनियों में गंभीर ब्लॉकेज पाया गया। जांच में सामने आया कि मरीज की तीनों मुख्य कोरोनरी आर्टरी लगभग पूरी तरह अवरुद्ध थीं और हृदय तक रक्त प्रवाह केवल एक छोटी सेप्टल आर्टरी के माध्यम से हो रहा था। चिकित्सकों के अनुसार यह स्थिति अत्यंत गंभीर और जीवन के लिए खतरे वाली थी, जिसमें किसी भी समय कार्डियक अरेस्ट, शॉक या वेंटिलेटर सपोर्ट की आवश्यकता पड़ सकती थी।

मरीज की नाजुक स्थिति को देखते हुए इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अर्शीष राऊत ने तुरंत निर्णय लेते हुए हार्ट अटैक के लिए जिम्मेदार LAD आर्टरी की प्राइमरी एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की। जटिल परिस्थिति के बावजूद धमनियों में रक्त प्रवाह दोबारा स्थापित किया गया, जिससे मरीज की स्थिति तेजी से स्थिर होने लगी। विशेष बात यह रही कि पूरे उपचार के दौरान मरीज को न तो वेंटिलेटर सपोर्ट और न ही बाईपेप सपोर्ट की आवश्यकता पड़ी। समय पर लिए गए निर्णय, तकनीकी दक्षता और अनुभवी इंटरवेंशनल मैनेजमेंट के चलते मरीज को मात्र दो दिनों में स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस जटिल उपचार प्रक्रिया में एनेस्थीसिया टीम की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। डॉ. (मेजर) शीतल धरमखेले ने नियंत्रित सेडेशन, आपातकालीन दवाओं के उचित प्रबंधन और निरंतर सतर्क निगरानी के माध्यम से मरीज की स्थिति को स्थिर बनाए रखा।

उनकी त्वरित चिकित्सीय हस्तक्षेपों ने संभावित कार्डियक अरेस्ट जैसी गंभीर स्थिति को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पूरी प्रक्रिया में कैथलैब टीम का योगदान भी सराहनीय रहा। कैथलैब टीम में श्री सागर एल्लागौनिवार (सीनियर कैथ लैब इंचार्ज) तथा श्रीमती आरती पारधी (स्टाफनर्स) ने उपचार के दौरान सक्रिय भूमिका निभाते हुए मरीज की देखरेख और प्रक्रिया को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यह मामला दर्शाता है कि हार्ट अटैक जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर विशेषज्ञ उपचार और अनुभवी मेडिकल टीम के समन्वय से मरीज की जान बचाई जा सकती है। सहयोग अस्पताल, गोंदिया में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं, अनुभवी नर्सिंग स्टाफतथा 24 घंटे विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता के माध्यम से क्षेत्र के मरीजों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सांप के काटने से हुई बुजुर्ग किसान की मौत..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के तिरोडा पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 10/ 6/ 2026 के शाम 5 बजे के दरम्यान ग्राम करटी मे अरुण कवडुजी कनोजे अपने खेत मे भेंडी की फसल देखने गये थे। उसी समय किसी जहरीले साप ने काटने से उन्हे उपजिल्हा अस्पताल तिरोडा ले गये प्राथमिक उपचार कर उन्हें जी एम सी गोंदिया उपचार के लिये लाते समय रास्ते मे ही उनकी मौत हो गई। फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे तिरोडा मे अकस्मात मौत क्रमांक 17/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जॉच पोहवा नामुर्ते 1194 पोस्टे तिरोडा कर रहे है।

खेत मे ट्रैक्टर लाने की बात पर हुई मारपीट, मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के अर्जुनी मोर पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 10/ 6/ 2026 के 11 बजे के दरम्यान ग्राम सिरोली मे फर्यादी दुधराम नाजुकराम मस्के उम्र 62 वर्ष निवासी सिरोली अपने खेत मे ट्रॅकर से काम करा रहे थे। वहा आरोपी ने आकर कहा तेरे ट्रैक्टर ने मेरे धुरे को तोडा है, फर्यादी ने कहा मै तेरे बंधी के तरफ गया ही नही मै अपनी हद मे काम कर रहा हु इस बात पर आरोपी ने धुरे का पत्थर उठाकर सर पर मारा और आगे देख लेने की धमकी देने से दिये शिकायत पर पोस्टे अर्जुनी मोर मे अपराध क्रमांक 254/2026 धारा 118, 2, 352, 351,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच सफौ हरिशचंद्र शेंडे 529 पोस्टे अर्जुनी मोर कर रहे है।

ग्राम पंचायत कारूटोला का अभिनव निर्णय..

नववधुओं को 'मायका उपहार' तथा मेधावी विद्यार्थियों को साइकिल अथवा छात्रवृत्ति..

जगप्रेरणा सालेकसा।

ग्राम पंचायत कारूटोला में गुरुवार को प्रशासक श्री उमराव दिवाकर बोहरे की अध्यक्षता में ग्रामसभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में गांव के सामाजिक, शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान ग्रामीणों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से दो अभिनव एवं जनहितकारी निर्णय लिए गए। इन निर्णयों से गांव की बेटियों, महिलाओं तथा विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और ग्राम पंचायत के इस उपक्रम का सभी स्तरों पर स्वागत किया जा रहा है।

ग्राम सभा में सर्वप्रथम गांव की उन बेटियों के लिए, जिनका विवाह होकर वे ससुराल जाती हैं, 'मायका उपहार' नामक विशेष योजना प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। बेटियों के जीवन के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर ग्राम पंचायत की ओर से शुभकामनाओं एवं प्रोत्साहन स्वरूप आर्थिक सहायता प्रदान करने का यह प्रयास है। इसके अंतर्गत कारूटोला ग्राम पंचायत क्षेत्र की प्रत्येक पात्र विवाहिता बेटी को ग्राम पंचायत की ओर से 2,000/- की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए संबंधित लाभार्थियों को विवाह पत्रिका तथा आवश्यक दस्तावेज ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा करने होंगे, ऐसा आवाहन ग्राम पंचायत की ओर से किया गया है। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्रामसभा में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। ग्राम पंचायत क्षेत्र के दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों का ग्राम पंचायत की ओर से विशेष सम्मान किया जाएगा। मेधावी छात्र एवं छात्राओं को एक साइकिल अथवा छात्रवृत्ति के लिए नकद राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाएगी। इस उपक्रम से विद्यार्थियों में शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में सहायता मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन प्राप्त होगा, ऐसी अपेक्षा व्यक्त की गई। ग्रामसभा में विभिन्न विकास कार्यों, ग्राम स्वच्छता, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, नागरिकों की समस्याओं तथा उनके समाधान के संबंध में भी चर्चा की गई। ग्राम पंचायत प्रशासन ने नागरिकों की सहभागिता से गांव का विकास करने का संकल्प व्यक्त किया। ग्रामीणों ने भी इन उपक्रमों का स्वागत करते हुए ग्राम पंचायत को सहयोग करने की भूमिका प्रस्तुत की।

प्रशासक श्री उमराव दिवाकर बोहरे ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत के माध्यम से जनहित के विभिन्न उपक्रम चलाने की मंशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गांव के प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए ग्राम पंचायत प्रतिबद्ध है तथा नागरिकों को शासकीय योजनाओं के साथ-साथ ग्राम पंचायत के विभिन्न उपक्रमों का लाभ उठाना चाहिए। इस ग्रामसभा में उपसरपंच बुधराम जिंदाकुर, ग्राम पंचायत सदस्य गीता गोंडाणे, टिकेश्वरी कटरे, धनराज कोरे, विद्या बागडे, खेलूबाई फुंडे, गुणवंता शिवणकर, सुनीता सलामे एवं अनिता थेर सहित गांव की महिलाएं, युवा तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। ग्राम पंचायत द्वारा लिए गए इन निर्णयों से बेटियों के सम्मान को बल मिलेगा तथा मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिबद्धता और शैक्षणिक प्रगति का सुंदर संगम प्रस्तुत करने वाले ये उपक्रम अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी आदर्श सिद्ध होंगे, ऐसी भावना उपस्थित ग्रामीणों ने व्यक्त की।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
संजीव बापट गोंदिया
मो. 9922607145

जग प्रेरणा
गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अस्ट विनायक अपार्टमेंन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

राज्यसभा सांसद बनने के बाद गोंदिया प्रथम नगर आगमन पर

सांसद राजेंद्र जैन के स्वागत में आज भव्य रैली एवं नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पार्टी संगठन में लंबे समय से निष्ठापूर्वक कार्य करने वाले राजेन्द्र जैन को दो बार विधान परिषद में कार्य करने के उपरांत अब राज्यसभा सांसद के रुप में निर्विरोध निर्वाचित होने का अवसर प्राप्त हुआ है, जिससे कि गोंदिया जिले में भारी उत्साह है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्यसभा सांसद बनने के बाद राजेन्द्र जैन का आज शुक्रवार, 12 जून को गोंदिया प्रथम

नगर आगमन हो रहा है, जिसके उपरांत अपने नेता राजेन्द्र जैन का भव्य स्वागत करने के लिये राष्ट्रवादी कांग्रेस एवं नगर व जिले की जनता के बीच खासा उत्साह नजर आ रहा है। राज्यसभा सांसद राजेन्द्र जैन के स्वागत और अभिनंदन की भव्य तैयारियां की गई है।

महापुरुषों का अभिवादन कर होंगे स्वागत रैली में शामिल..

गौरतलब है कि नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद राजेन्द्र जैन का आज 12 जून को सुबह गोंदिया नगर आगमन होगा। सांसद श्री जैन सबसे पहले सुबह 9:30 बजे बाबूजी स्वर्गीय मनोहरभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने सांसद प्रफुल पटेल के निवास स्थान, बगीचा रामनगर पहुंचेंगे, इसके उपरांत सुबह 10:00 बजे सांसद अपने प्रिय नेता सांसद प्रफुल पटेल के जनसंपर्क कार्यालय, पाल चौक पहुंचेंगे। वहां पर कार्यक्रमों का अभिनंदन स्वीकार करते हुए सुबह 10:10 बजे राजलक्ष्मी चौक स्थित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे, तथा इसके उपरांत सुबह 10:15 बजे गोरेलाल चौक स्थित दिगंबर जैन मंदिर में दर्शन करने पहुंचेंगे। इसके उपरांत सांसद राजेन्द्र जैन विश्वरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करने पहुंचेंगे, तथा 10:30 बजे देशबंधु वार्ड स्थित निवास स्थान पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं का अभिनंदन स्वीकार करेंगे, तथा इसके उपरांत स्वागत यात्रा में शामिल होकर नागरिकों का स्नेहिल अभिनंदन स्वीकार करते हुए रैली में शामिल होंगे। सांसद राजेन्द्र जैन की स्वागत रैली निवास स्थान से प्रारंभ होकर दुर्गा चौक, गोरेलाल चौक, गांधी चौक, देवेंद्रनाथ चौबे के निवास (पंजाब नेशनल बैंक के सामने) और जयस्तंभ चौक से होते हुए जलाराम लॉन पहुंचेगी, जहां सार्वजनिक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की जिला इकाई की ओर से सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर नवनिर्वाचित सांसद राजेन्द्र जैन के भव्य स्वागत एवं अभिनंदन की

गोंदिया भंडारा के विकास की और बढ़ी उम्मीद..

गौरतलब है कि गोंदिया भंडारा जिले में राजेन्द्र जैन को सांसद निर्वाचित करने में सांसद प्रफुल पटेल की बड़ी भूमिका निभाये जाने से अब क्षेत्र की जनता की एक बार फिर क्षेत्र विकास की बड़ी उम्मीदें बंधती दिखाई दे रही है। ऐसा माना जा रहा है कि राजनीतिक मानचित्र में पावर गेम में अपना करिश्मा दिखाने में सांसद प्रफुल पटेल एक बार फिर सफल रहे हैं। एक तरफ जहां राजेन्द्र जैन को सांसद बनाकर जिले के विकास की नई उम्मीद प्रफुल पटेल ने जगा दी है, तो वहीं दूसरी तरफ विधान परिषद में भले ही भाजपा उम्मीदवार के रुप में अविनाश ब्राह्मणकर चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन अविनाश ब्राह्मणकर भी सांसद प्रफुल पटेल के वरद हस्त से ही अवसर प्राप्त कर विधान परिषद सदस्य का चुनाव जीतने जा रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अब गोंदिया भंडारा जिले के विकास को बड़े पंख मिल रहे हैं, और आने वाले दिनों में गोंदिया मेडिकल कॉलेज के साथ ही गोंदिया को शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज की सौगात, नया डायलेसिस सेंटर, गोंदिया से मुंबई, दिल्ली, पुणे की विमान सेवाएं भी शुरु हो सकती है।

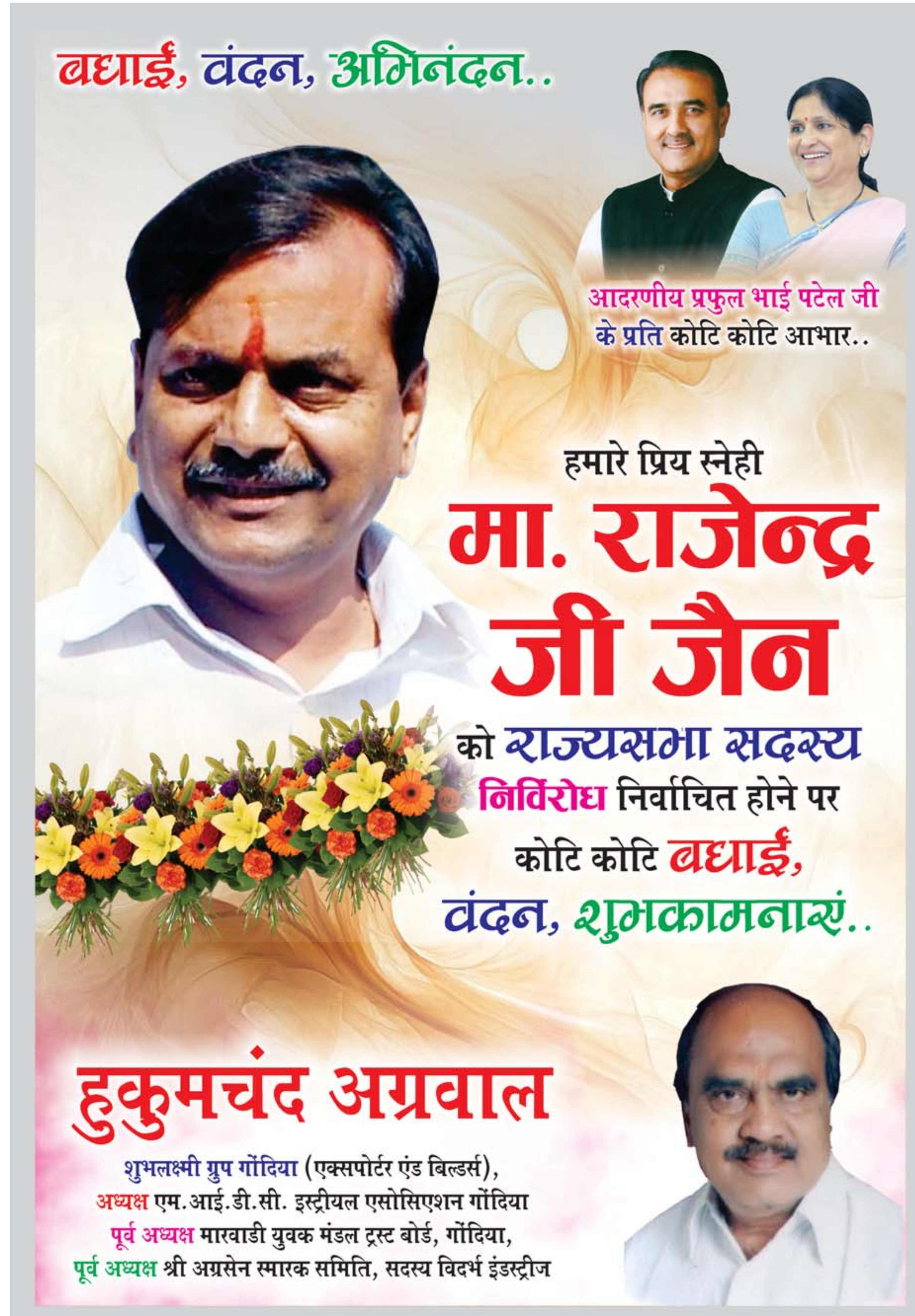

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com